www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 52 || लखनऊ
शुक्रवार
22 मई 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:16
सूर्यास्त: 06:50
अधिकतम: 43°00
न्यूनतम: 29°00

पेज 05

विशेष समाचार | यदि बंगाल में भाजपा सरकार... >> पेज 04 | करप्शन का चशमा हटाइए... >> पेज 06 | भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारणी...

मंगलसूत्र, चूड़ियां तक उतरवाईं ■ जूड़े खुलवाए, पानी की बोतल से रैपर हटवाए

कड़ी निगरानी में हुई लेखपाल परीक्षा

> उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की लेखपाल मुख्य परीक्षा कड़ी सुरक्षा और एआई निगरानी में शांतिपूर्ण संपन्न हुई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की लेखपाल मुख्य परीक्षा गुरुवार को कड़ी सुरक्षा और हाईटेक निगरानी के बीच शांतिपूर्ण तरीके से हुई। परीक्षा के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , बायोमैट्रिक जांच और सीसीटीवी कैमरों से लगातार नजर रखी गई।

लखनऊ के एक केंद्र पर पेपर लीक की अफवाह फैलने से कुछ देर हलचल जरूर हुई, लेकिन जांच में सूचना पूरी तरह गलत निकली। वहीं बुलंदशहर में एक संदिग्ध अभ्यर्थी पकड़ा गया, जिसे पुलिस को सौंप दिया गया। आयोग ने परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बताया है।

प्रदेश के 44 जिलों के 861 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा हुई। परीक्षा में 3,66,712 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 3,01,756 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा की निगरानी के लिए 18,883 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे।

लखनऊ के ऐशबाग स्थित गोपीनाथ लक्ष्मणदास रस्तोगी इंटर कॉलेज में पेपर लीक की सूचना पर अधिकारियों ने तुरंत जांच की। जांच में प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट सीलबंद पैकेट में सुरक्षित मिलीं।

कक्ष संख्या-21 के कुछ अभ्यर्थी परीक्षा शुरू होने से पहले ही भ्रम में बाहर आ गए थे, जिन्हें समझाकर दोबारा परीक्षा में शामिल कराया गया। आयोग के अनुसार परीक्षा पूरी तरह से शांतिपूर्ण व सफल रही है।

महिला अभ्यार्थियों के मंगलसूत्र उतरवाए

गोरखपुर में 39 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा हो रही है। इसमें 17,832 अभ्यर्थी शामिल होंगे। अभ्यर्थियों को चेकिंग के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। महिला अभ्यार्थियों के जूड़े खुलवाए गए। चूड़ी और मंगलसूत्र भी उतरवाया गया है। इसके अलावा रुमाल भी चेक किया गया। जूते उतरवाए गए।

पहली शिफ्ट की परीक्षा सुबह 10 बजे से शुरू हुई, जो दोपहर 12 बजे तक चली। इससे पहले कड़ी चेकिंग के बाद ही अभ्यर्थियों को एग्जाम सेंटर में एंट्री दी गई।

गोरखपुर में महिला अभ्यर्थियों के जूड़े खुलवाए गए। चूड़ी और मंगलसूत्र भी उतरवाए गए। महिला अभ्यर्थी विजयलक्ष्मी तिवारी ने बताया- पैरों की बिछिया छोड़कर सब कुछ उतरवा लिया गया। हाथों में सिर्फ एक-एक चूड़ी रहने दी गई। सीतापुर में बालों के क्लेचर और कड़े उतरवाए गए।

गोंडा में पानी की बोतलों के रैपर हटवाए गए। इसके बाद ही अभ्यर्थी पानी की बोतलें अंदर ले जा सके। उन्नाव में महिला अभ्यर्थियों से क्लेचर उतरवाए गए। हाथरस में कानों से कुंडल और कंगन उतरवाए गए। मेरठ में जूते उतरवाए गए।

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग 44 जिलों में 861 केंद्रों पर परीक्षा करवा रहा है। आज और कल 3.66 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। सभी केंद्रों पर CCTV कैमरों से निगरानी की जाएगी। देवरिया में PAC, STF और SOG की टीमों को परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए तैनात किया गया है। यहां अभ्यर्थियों की बेल्ट भी उतरवाई गई।

गोंडा में पानी की बोतलों के रैपर हटवाए

गोंडा में 12 केंद्रों पर यूपी लेखपाल मुख्य भर्ती परीक्षा हो रही है। तीन स्तरीय सघन जांच और बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ही प्रवेश दिया गया। जो अभ्यर्थी अंदर पानी की बोतलें लेकर गए हैं, उनके रैपर हटवाए गए। परीक्षा के लिए 200 कक्ष निरीक्षक, 50 से अधिक सब इंस्पेक्टर, 200 कांस्टेबल और 200 महिला पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

■ लेखपाल (मुख्य) परीक्षा के दृष्टिगत कमिश्नरेट कानपुर नगर पुलिस अलर्ट, पुलिस आयुक्त ने किया निरीक्षण...

8 लाख अभ्यर्थियों ने भरा था लेखपाल का फॉर्म

6-7 सितंबर 2025 को पीईटी (प्रारंभिक पात्रता परीक्षा) हुई थी, जिसमें 19 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इसके बाद 26 फरवरी 2026 को पीईटी का रिजल्ट जारी किया गया। रिजल्ट आने के बाद लेखपाल भर्ती परीक्षा की तारीख घोषित हुई।

7,994 पदों के लिए 8 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। आयोग ने नियम के अनुसार कटऑफ/परसेंटाइल के आधार पर पदों से 15 गुना ज्यादा अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए चुना। कुल 3,66,712 अभ्यर्थी इसमें चयनित किए गए।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील : अमेरिकी टीम आएगी दिल्ली

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल अगले महीने भारत आ सकता है। गोयल ने बताया कि अंतरिम व्यापार समझौते के बिंदुओं को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की दिशा में प्रगति के लिए अप्रैल में वॉशिंगटन डीसी में भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों के बीच आमने-सामने बैठक हो चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीटीए वार्ता के लिए अमेरिका के मुख्य वार्ताकार विदेश मंत्री मार्को रुबियो इस बार उनके साथ नहीं आएंगे, लेकिन रुबियो अगले महीने भारत आने की योजना बना रहे हैं। रुबियो 23 मई से चार दिवसीय भारत यात्रा पर आ रहे हैं। यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जिसमें व्यापार, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

टिकैतनगर में जबरन धर्म परिवर्तन

निकाह का दबाव

पीड़िता ने सीएम योगी से न्याय, सुरक्षा की गुहार लगाई

तमसा संकेत, एजेंसी, बाराबंकी

बाराबंकी जनपद के टिकैतनगर थाना क्षेत्र में जबरन धर्म परिवर्तन और निकाह का दबाव बनाने का एक मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि स्थानीय पुलिस ने इस संवेद-नशील मामले में सख्त कार्रवाई करने के बजाय केवल शांतिभंग (धारा 151) की कार्रवाई की। पुलिस के इस रवैये से असंतुष्ट होकर पीड़िता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डीजीपी और पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है। कस्बा इचौली निवासी दिव्यांशी गुप्ता पत्नी सुनील गुप्ता ने आरोप लगाया है कि मोहल्ले का मोहम्मद अमन काफी समय से उन पर धर्म परिवर्तन और निकाह का दबाव बना रहा था। पीड़िता आरोपी के यहां कपड़े सिलाई करने जाती थी, इसी दौरान उसने मोबाइल नंबर लेकर परेशान करना शुरू किया। >> (शेष पेज 06 पर)

हीटवेव: यूपी में पारा 44°C

बिजली कर्मचारियों की छुट्टी कैंसिल ■ बलरामपुर में 8 स्कूली बच्चियां बेहोश हुईं

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी एक हफ्ते से गर्मी और लू की चपेट में है। बांदा दुनिया का तीसरा सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 48 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। बांदा से ज्यादा तापमान मिस्र के असवान में 49.4C और सऊदी अरब के अराफात में 48.4C रिकॉर्ड किया गया।

गर्मी में बिजली कटौती की शिकायतों को देखते हुए यूपी में बिजली विभाग के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के अवकाश 31 जुलाई तक रद्द कर दिए गए।

>> (शेष पेज 06 पर)

अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम?

- **22 मई:** पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम साफ रहेगा। लू चलेगी। ज्यादातर शहरों में पारा 40 डिग्री के पार रहेगा।
23 मई: पूरे यूपी में तेज धूप निकलेगी। 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चलेंगी।
- **24 मई:** पश्चिमी यूपी में मौसम शुष्क रहेगा, हालांकि तेज धूप निकलेगी। पूर्वी यूपी के ज्यादातर शहरों में लू चलेगी।
- **25 मई:** पश्चिमी यूपी में 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चलेंगी। पूर्वी यूपी में तेज धूप निकलेगी।
- **26 मई:** पूरे यूपी में तेज धूप निकलेगी। लू चलने की संभावना है। रातें भी गर्म होंगी।

लखनऊ में बिजली कटौती पर हंगामा, अफसर-कर्मचारी भागे

गर्मी बढ़ने के साथ ही प्रदेश में बिजली कटौती शुरू हो गई है। लखनऊ में बिजली कटौती को लेकर बुधवार रात अलग-अलग पावर हाउसों पर हंगामा हुआ। गुस्साए लोगों ने पावर हाउसों का घेराव कर नारेबाजी की। लोगों के गुस्से को देखते हुए कई जगह बिजली विभाग के अफसर-कर्मचारी भाग गए। फैजुल्लागंज उपकेंद्र में 11 हजार वोल्ट की लाइन पर काम करते वक्त लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गई।

फास्ट न्यूज

यूपी में 9 आईपीएस अफसरों के ट्रांसफर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार को 9 आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए। कानपुर जोन के ADG रहे आलोक सिंह को प्रमोशन के बाद पीएसी में DG के पद पर तैनाती दी गई है। उनकी जगह आगरा की ADG जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ को कानपुर जोन का ADG बनाया गया है।

पेट्रोल-डीजल की किल्लत तीसरे दिन बरकरार

यूपी के कई जिलों में पेट्रोल-डीजल की किल्लत तीसरे दिन भी बरकरार है। गुरुवार को भी कुशीनगर, सोनभद्र, महाराजगंज, गोरखपुर, देवरिया और बस्ती समेत कई जिलों के पेट्रोल पंपों पर लोगों की लंबी कतारें लगी हैं। कई पंप ड्राई हो चुके हैं और वहां 'पेट्रोल-डीजल उपलब्ध नहीं है' के बोर्ड लगा दिए गए हैं। महाराजगंज में महज 18-20 पेट्रोल पंपों पर ही ईंधन मिल रहा है। अधिकतर पंपों ने स्टॉक खत्म होने का बोर्ड लगा दिया है। जिले में करीब 149 पेट्रोल पंप हैं। बुधवार देर रात भी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारें पंपों पर देखने को मिलीं। कई किसान तो ट्रॉलियों को ही बिस्तर बनाकर रात गुजारते नजर आए।

बलिया में एक ही व्यक्ति चपरासी भी और शिक्षामित्र भी

बलिया। रामेश्वर सिंह बलिया में भीमपुरा कस्बे के रामकरण इंटर कॉलेज में चपरासी हैं। नियुक्ति 1 जुलाई, 2005 को हुई थी। हैरत की बात ये है कि रामेश्वर कस्बे के कंपोजिट स्कूल में 23 अगस्त, 2015 से शिक्षामित्र के रूप में भी तैनात हैं। दोनों पदों का वेतन और मानदेय ले रहे हैं। इसी तरह उनका सगा भतीजा शिवमंगल सिंह भी उसी कॉलेज में चपरासी है। साथ ही कस्बे के एक सरकारी स्कूल में शिक्षामित्र भी है। शिवमंगल की पत्नी विभा सिंह भी उसी कॉलेज में चपरासी है।

कॉकरोच जनता पार्टी का एक्स अकाउंट ब्लॉक

इंस्टाग्राम पर 6 दिन में 1.5 करोड़ फॉलोअर्स

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। छह दिन पहले बनी कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के इंस्टाग्राम पर गुरुवार शाम 5 बजे तक 1.5 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए हैं। यह देश की किसी भी पॉलिटिकल पार्टी से ज्यादा है। इंस्टाग्राम पर कांग्रेस के 1.33 करोड़, भाजपा के 87 लाख, AAP के 19 लाख और CPI(M) के 2.35 लाख फॉलोअर्स हैं।

CJI सूर्यकांत के कॉकरोच वाले बयान के विरोध में बनी इस पार्टी के X पर भी 1.93 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हो चुके थे। हालांकि, X अकाउंट गुरुवार करीब 12 बजे ब्लॉक हो गया।

■ कॉकरोच जनता पार्टी को अभिजीत दीपके ने बनाया है। इसका नारा है- 'सेक्युलर, सोशलिस्ट, डेमोक्रेटिक, लेजी।'

CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि जैसी आशंका थी, वैसा ही हुआ। CJP का X अकाउंट भारत में बैन कर दिया गया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

लखनऊ मेयर के सभी पावर छिने

हाईकोर्ट का पार्षद को शपथ नहीं दिलाने पर एक्शन ■ डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट-नगर आयुक्त देखेंगे काम

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। ईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने गुरुवार को बड़ा आदेश दिया। हाईकोर्ट ने लखनऊ मेयर के सभी वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार फ्रीज कर दिए। यह कार्रवाई निर्वाचित सपा पार्षद को शपथ न दिलाए जाने के मामले में की गई।

मामला लखनऊ के वार्ड संख्या-73 फैजुल्लागंज से जुड़ा है। सत्र अदालत ने सपा के ललित किशोर तिवारी को पार्षद पद पर निर्वाचित घोषित किया था। इसके 5 महीने बीत जाने के बाद भी अब तक उन्हें शपथ नहीं दिलाई गई।

लखनऊ नगरीय निकाय चुनाव-2023 के दौरान भाजपा प्रत्याशी प्रदीप कुमार शुक्ला उर्फ टिंकू शुक्ला और सपा प्रत्याशी ललित तिवारी के बीच सीधा मुकाबला हुआ था। मतगणना में प्रदीप कुमार शुक्ला को 4,972 और ललित तिवारी को 3,298 वोट मिले थे। इस आधार पर प्रदीप कुमार शुक्ला को निर्वाचित घोषित कर दिया गया था। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ललित तिवारी ने कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें आरोप लगाया कि भाजपा प्रत्याशी प्रदीप कुमार शुक्ला ने नामांकन पत्र दाखिल करते समय निर्वाचन प्रपत्रों में कुछ जरूरी जानकारियां नहीं दी थीं। ये जानकारियां देना कानूनन जरूरी था। याचिका में यह भी कहा गया था कि नामांकन प्रक्रिया में की गई यह चूक चुनावी नियमों का उल्लंघन है। इसे कदाचार की श्रेणी में माना जाना चाहिए। इसी आधार पर प्रदीप कुमार शुक्ला के निर्वाचन को चुनौती दी गई थी। साथ ही चुनाव परिणाम निरस्त करने की मांग की गई थी।

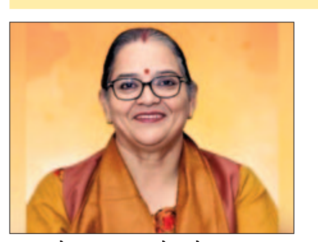

इसके बाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। हाईकोर्ट ने साफ किया है कि जब तक सपा पार्षद को शपथ नहीं दिलाई जाती, तब तक मेयर के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार फ्रीज रहेंगे।

पांच महीने पहले रद्द हुआ था निर्वाचन

नगर निगम पार्षदी को लेकर वार्ड-73 फैजुल्लागंज (तृतीय) में उठा विवाद 13 मई, 2023 को लखनऊ के अपर जिला जज की अदालत तक पहुंचा था। करीब ढाई साल तक चली सुनवाई के बाद अदालत ने निर्वाचन के समय दाखिल एफिडेविट, शपथ पत्र और निर्वाचन फार्म की समीक्षा रिपोर्ट के आधार पर फैसला सुनाया था।

कोर्ट ने उपलब्ध दस्तावेजों, तथ्यों और दलीलें देखीं। कोर्ट ने पाया कि नामांकन के दौरान आवश्यक जानकारी न देना गंभीर अनियमितता है। >> (शेष पेज 06 पर)

शपथ दिलाने में करते रहे टालमटोल

पार्षद ललित किशोर ने बताया कि निर्वाचित होने के बावजूद उनको शपथ नहीं दिलाई गई। इस संबंध में उन्होंने न्यायाधिकरण को बताया कि 19 दिसंबर 2025 को उनको निर्वाचित घोषित किया था, लेकिन शपथ नहीं दिलाई गई है। इस बीच पूर्व निर्वाचित सदस्य अभी भी अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि जिला मजिस्ट्रेट ने 23 जनवरी और 10 फरवरी 2026 को नगर आयुक्त, लखनऊ को निर्वाचन न्यायाधिकरण के फैसले की जानकारी दी थी। >> (शेष पेज 06 पर)

सरकारी कर्मचारियों की लगी लॉटरी !

यूपी में महंगाई भत्ता 2% बढ़ाकर 60% किया ■ 28 लाख कर्मचारी-पेंशनर्स को फायदा

तोहफा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी सरकार ने गुरुवार (21 मई) को राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स का महंगाई भत्ता (DA) 2% बढ़ा दिया। अब 58% की जगह 60% महंगाई भत्ता मिलेगा। प्रदेश में 16 लाख कर्मचारी और 12 लाख पेंशनर्स हैं। यानी, कुल 28 लाख कर्मचारियों को इसका फायदा मिलेगा।

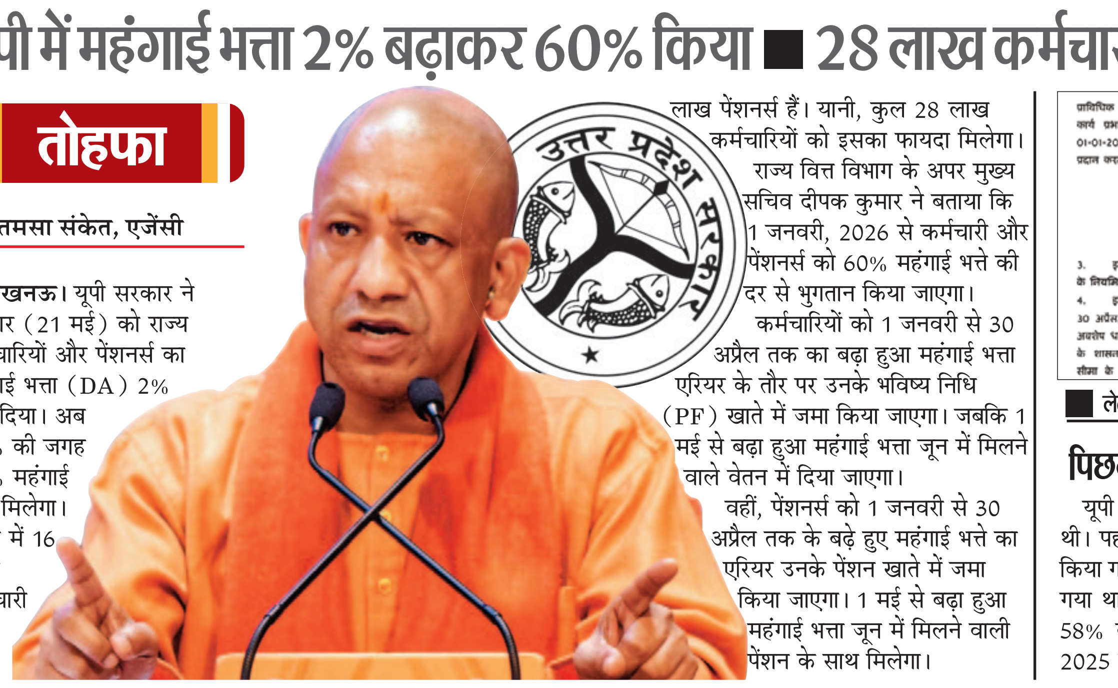

राज्य वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने बताया कि 1 जनवरी, 2026 से कर्मचारी और पेंशनर्स को 60% महंगाई भत्ते की दर से भुगतान किया जाएगा।

कर्मचारियों को 1 जनवरी से 30 अप्रैल तक का बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता एरियर के तौर पर उनके भविष्य निधि (PF) खाते में जमा किया जाएगा। जबकि 1 मई से बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता जून में मिलने वाले वेतन में दिया जाएगा।

वहीं, पेंशनर्स को 1 जनवरी से 30 अप्रैल तक के बढ़े हुए महंगाई भत्ते का एरियर उनके पेंशन खाते में जमा किया जाएगा। 1 मई से बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता जून में मिलने वाली पेंशन के साथ मिलेगा।

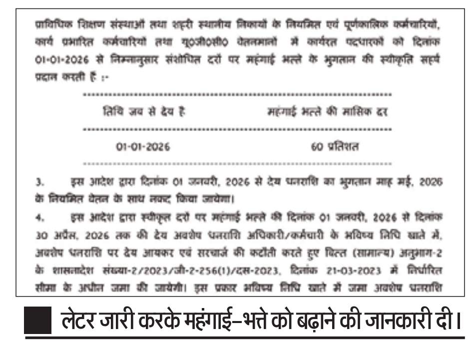

प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं तथा शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों तथा यू0जी0सी0 वेतनमानों में कार्यरत पदधारकों को दिनांक 01-01-2026 से निम्नानुसार संशोधित दरों पर महंगाई भत्ते के भुगतान की स्वीकृति सहर्ष प्रदान करती हैं :-

तिथि जब से देय है	महंगाई भत्ते की मासिक दर
01-01-2026	60 प्रतिशत

3. इस आदेश द्वारा दिनांक 01 जनवरी, 2026 से देय धनराशि का भुगतान माह मई, 2026 के नियमित वेतन के साथ नकद किया जायेगा।

4. इस आदेश द्वारा स्वीकृत दरों पर महंगाई भत्ते की दिनांक 01 जनवरी, 2026 से दिनांक 30 अप्रैल, 2026 तक की देय अवशेष धनराशि अधिकारी/कर्मचारी के भविष्य निधि खाते में, अवशेष धनराशि पर देय आयकर एवं सरचार्ज की कटौती करते हुए वित्त (सामान्य) अनुभाग-2 के शासनादेश संख्या-2/2023/जी-2-256(1)/दस-2023, दिनांक 21-03-2023 में निर्धारित सीमा के अधीन जमा की जायेगी। इस प्रकार भविष्य निधि खाते में जमा अवशेष धनराशि

■ लेटर जारी करके महंगाई-भत्ते को बढ़ाने की जानकारी दी।

पिछले साल दो बार बढ़ा था महंगाई भत्ता

यूपी सरकार ने 2025 में दो बार DA में बढ़ोतरी की थी। पहली बार अप्रैल में DA 53% से बढ़ाकर 55% किया गया था। बढ़ा हुआ वेतन 1 जनवरी 2025 से दिया गया था। दूसरी बार अक्टूबर में DA 55% से बढ़ाकर 58% कर दिया गया था। बढ़ा हुआ वेतन 1 जुलाई, 2025 से दिया गया था।

मदरसों में नहीं गाएंगे वंदे मातरम : हुमायूं कबीर

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की शुभेंदु सरकार ने राज्य के सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य कर दिया है। इस पर एजेयूपी के चेयरमैन और बंगाल में बाबरी मस्जिद बनवा रहे हुमायूं कबीर ने पलटवार किया है। उन्होंने दो टूक कहा कि मदरसों में वंदे मातरम नहीं गाएंगे। मदरसों के मामलों में इस तरह के आदेश देने का सरकार का कोई अधिकार नहीं है।

पश्चिम बंगाल मदरसा शिक्षा निदेशालय ने राज्य भर के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त मदरसों में कक्षाओं से पहले होने वाली प्रार्थना सभा के दौरान वंदे मातरम को तत्काल प्रभाव से अनिवार्य कर दिया है। मदरसा निदेशालय द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, अब सभी मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त और बिना सहायता वाले मदरसों में कक्षाएं शुरू होने से पहले राष्ट्रगीत गाना अनिवार्य होगा। >>(शेष पेज 06 पर)

■ मदरसों में वंदे मातरम अनिवार्य किए जाने का हुमायूं कबीर ने किया विरोध, शुभेंदु के आदेश पर भड़के

बहन के साथ मिलकर बांके से काटा, लखनऊ की ट्रेन में रखा शव

हिंदू-लड़के से प्यार किया तो बेटी के 6 टुकड़े किए

हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में बक्से के भीतर मिले शव की पहचान हो गई। शव कुशीनगर की रहने वाली 15 साल की लड़की बेबी शब्बा का था। हिंदू युवक से अफेयर के शक में पिता ने बहन और बहनोई के साथ मिलकर उसकी हत्या की। बांके से शव के 6 टुकड़े किए। सिर को वहीं फेंक दिया। पुलिस ने उसकी पड़ताल की तो उन लोगों की पहचान पिपराघाट मुस्तकिल गांव के जयपुर टोला निवासी बिग्गन अंसारी पुत्र मजिस्टर अंसारी, थाना पडरौना के थिरकिया निवासी मोजिबुल्ला अंसारी और उसकी पत्नी नूरजहां के रूप में हुई। इस पर बेटी ने फांसी लगाकर सुसाइड करने की कोशिश की। इस पर उसकी हत्या की साजिश रची। योजना के तहत पत्नी और बेटे को घर से बाहर भेज दिया।

बिग्गन की पहली बेटी खुशबू (24) भी काफी समय से लापता है। ग्रामीणों में चर्चा है कि आरोपी ने उसकी भी तो हत्या नहीं कर दी थी। दूसरी बेटी नरगिस (20) गांव के ही एक हिंदू युवक के साथ भाग गई थी। दोनों कहीं बाहर रहते हैं।

2 छोटे भाई बड़ा 9 साल और छोटा 6 साल का है। बड़ा भाई कैंसर पीड़ित है। बेबी किसी लड़के से बात करती थी। बिग्गन दो बेटियों के लव मैरिज करने से पहले से ही आहत था। जब उसे पता चला कि बेबी का भी अफेयर है, तो उसने उसकी हत्या कर दी। टीम ने बोगी में सवार कुछ यात्रियों से पूछताछ की। रूट के स्टेशनों से भी पड़ताल की गई।

> पुलिस ने आरोपी पिता बिग्गन अंसारी, उसकी बहन नूरजहां और बहनोई मोजिबुल्ला अंसारी को कुशीनगर से गिरफ्तार कर लिया है। बिग्गन अंसारी सेवरही थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उसके बहन-बहनोई पडरौना थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। तीनों ने हत्या करने के लिए नया बांका खरीदा था। वह बरामद हुआ है।

लखनऊ जीआरपी की मौजूदगी में बक्से का ताला तोड़ा गया।

लड़की रंग-बिरंगा सूट पहने थी

लड़की रंग-बिरंगा सूट पहने थी। इसे देखकर आशंका जताई जा रही थी कि वह किसी गांव की रहने वाली है। पहली नजर में देखने पर लग रहा था कि उसको धारदार हथियार से काटा गया है।

शिनाख्त के लिए टीम बनी, 800 सीसीटीवी से पुलिस आरोपी तक पहुंची

छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस ट्रेन कुल 20 स्टेशनों से गुजरती है। यह ट्रेन करीब 12 घंटे में सफर पूरा करती है। लड़की के पहचान के लिए पुलिस अधीक्षक रेलवे रोहित मिश्रा ने 3 टीमों का गठन किया। पुलिस उपाधीक्षक रेलवे प्रथम अमित कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जीआरपी चारबाग प्रभारी निरीक्षक धर्मवीर सिंह की टीम ने सीसीटीवी कैमरों और सर्विलांस की मदद से जांच शुरू की। टीम ने बोगी में सवार कुछ यात्रियों से पूछताछ की। रूट के स्टेशनों से भी पड़ताल की गई।

17 मई को लखनऊ में मिला था धड़

गाड़ी संख्या-15114 छपरा से गोमतीनगर के बीच चलती है। ट्रेन छपरा से 16 मई की शाम 5:45 बजे चलकर 17 मई की सुबह 6 बजे गोमतीनगर रेलवे स्टेशन पर पहुंची। S-1 कोच में सफाई के दौरान स्टाफ को एक संदिग्ध बैग और बॉक्स मिला। स्टाफ ने इसकी सूचना स्टेशन अधीक्षक को दी। इसके बाद जीआरपी और आरपीएफ को बुलाया गया। चारबाग के जीआरपी प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि टीम के साथ मौके पर पहुंचने पर बॉक्स खुलवाया गया। इसमें एक लड़की का धड़ था। उसके हाथ-पैर बैग में एक पॉलीथीन में पैक थे।

> पुलिस के मुताबिक, जयपुर टोला निवासी बिग्गन अंसारी पुत्र मजिस्टर अंसारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। शुरुआत में उसने खुद को निर्दोष बताया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बहन और बहनोई के साथ मिलकर बेटी बेबी शब्बा की हत्या करना स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि उसे शक था उसकी दो बड़ी बेटियां पहले ही हिंदू युवकों से लव मैरिज कर चुकी थीं। वह नहीं चाहता था कि छोटी बेटी भी हिंदू युवक से लव मैरिज करे। इस वजह से उसने बेटी को हिंदू युवक से बात करने पर मारा पीटा।

शव के 6 टुकड़े करके अलग-अलग जगह ठिकाने लगाया

पुलिस की पूछताछ में बिग्गन अंसारी ने बताया कि बहन-बहनोई के साथ मिलकर बेटी की हत्या करने के लिए नया बांका खरीदकर लाया। तीनों ने मिलकर बेटी की हत्या कर दी। शव को ठिकाने लगाने के लिए शव के 6 टुकड़े किए। पहचान न हो पाए इसके लिए सिर के भी टुकड़े किए। कुछ हिस्सों को पड़ोस के तालाब और कुछ को दूसरे स्थान पर फेंक दिया। धड़, पैर-हाथ को काटकर प्लास्टिक और कपड़ों में लपेटकर बक्से में रख दिया। तीनों ई-रिक्शा से संदूक लेकर तमकुहीरोड रेलवे स्टेशन पहुंचे। वहां बक्से को छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस के एक स्लीपर कोच में रख दिया। दूसरे कोच से तीनों नीचे उतर गए।

तालाब से सिर के कुछ हिस्सा और बांका मिला

बेटी की हत्या की बात कबूल करने पर बिग्गन अंसारी को लेकर रेलवे पुलिस और सेवरही पुलिस की संयुक्त टीम बुधवार को उसके गांव पहुंची। उसकी निशानदेही पर गोताखोरों की मदद से तालाब से सिर का कुछ हिस्सा बरामद किया। घटना में इस्तेमाल बांका बरामद किया। उसके बाद उसकी बहन-बहनोई को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पिता बिग्गन अंसारी पहले विदेश रहता था। 5 साल पहले वापस आया था। अब घर रहकर ई-रिक्शा चलता था। अपने ही ई-रिक्शा से लड़की का धड़ ले गया था। मृतका बेबी शब्बा 3 बहनों में सबसे छोटी थी। 2 बड़ी बहनें प्रेम विवाह कर जा चुकी हैं। 2 छोटे भाई बड़ा 9 साल और छोटा 6 साल का है। बड़ा भाई कैंसर पीड़ित है। बेबी किसी लड़के से बात करती थी। बिग्गन दो बेटियों के लव मैरिज करने से पहले से ही आहत था। जब उसे पता चला कि बेबी का भी अफेयर है, तो उसने उसकी हत्या कर दी।

ग्राम विकास अधिकारियों को मूल विभाग में वापस भेजने की मांग

पंचायत अधिकारी संघ ने कृषि उत्पादन आयुक्त को भेजा अनुस्मारक पत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ ने कृषि उत्पादन आयुक्त को अनुस्मारक पत्र भेजकर ग्राम विकास अधिकारियों की दीर्घकालीन प्रतिनियुक्ति समाप्त करने और उन्हें मूल विभाग में वापस भेजने की मांग की है। संघ ने चेतावनी दी है कि जल्द निर्णय न होने पर वह न्यायालय की शरण लेगा। संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह और महामंत्री नागेन्द्र प्रताप कुशवाहा द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि शासनादेश 12 जुलाई 2006 व 25 फरवरी 2013 के तहत ग्राम विकास अधिकारियों को अस्थायी रूप से ग्राम पंचायतों में ₹सचिव₹ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। 16 मार्च 1999 के शासनादेश के अनुसार प्रतिनियुक्ति अधिकतम 3 साल या विशेष परिस्थिति में 5 साल तक हो सकती है। इसके बाद प्रतिनियुक्ति बढ़ाई नहीं जा सकती। लेकिन ग्राम विकास अधिकारियों को सालों से पंचायत विभाग में रखा गया है। पत्र में सुप्रीम कोर्ट के दो फैसलों का जिक्र है – 'उ0प्र0 ग्राम पंचायत अधिकारी संघ बनाम दयाराम सरोज' 2007 और 'कृष्णानंद बनाम भारत संघ' 2005। कोर्ट ने माना है कि यह स्थानांतरण नहीं, प्रतिनियुक्ति है और कर्मचारियों को मूल विभाग में वापस भेजा जाना चाहिए। संघ का कहना है कि प्रदेश में ग्राम पंचायत अधिकारियों के 8135 पद स्वीकृत हैं, जिनमें 7662 भरे हुए हैं। इनमें 6194 अधिकारी पहले से कार्यरत हैं और 1468 नए पदों पर भर्ती आयोग से पूरी हो चुकी है। ऐसे में ग्राम विकास अधिकारियों को उनके मूल विभाग में भेजने से दोनों विभागों का काम नहीं रुकेगा। संघ ने बताया कि 19 जनवरी 2026, 18 फरवरी 2026 और 1 अप्रैल 2026 को भी इस संबंध में प्रत्यावेदन भेजा गया, लेकिन अब तक कोई आदेश नहीं हुआ। इसलिए 11 मई को फिर अनुस्मारक पत्र दिया गया है। पत्र की प्रतिलिपि प्रमुख सचिव ग्राम विकास, प्रमुख सचिव पंचायती-राज, आयुक्त ग्राम विकास और निदेशक पंचायती राज को भी भेजी गई है। संघ ने कहा है कि यदि जल्द फैसला नहीं हुआ तो वह न्यायालय या प्राधिकरण का दरवाजा खटखटाने को मजबूर होगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन की होगी।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के खिलाफ पुलिस से शिकायत

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद लखनऊ में सियासी माहौल गरमा गया है। भाजपा सरकार में स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हुसैनगंज थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने राहुल गांधी और उनके परिवार को लेकर अभद्र व अपमानजनक बयान दिया। तहरीर में कहा गया है कि मंत्री ने गांधी परिवार की पीढ़ियों को गद्दार कहकर संबोधित किया है। इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है। कांग्रेस कार्यकर्ता नितांत सिंह उर्फ नितिन ने हुसैनगंज कोतवाली पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित बयान से पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने बयान का वीडियो लिंक और अन्य साक्ष्य भी पुलिस को सौंपे हैं।

11000 लाइन की चपेट में आने से लाइनमैन की मौत

फैजुल्लागंज फीडर पर कर रहा था काम, डॅटव में दम तोड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के फैजुल्लागंज इलाके में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। 11 हजार वोल्ट की लाइन पर काम कर रहे लाइनमैन उदय राज की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, उदय राज अपने एक साथी के साथ फैजुल्लागंज स्थित नीलकंठ मंदिर के पास फैजुल्लागंज फीडर पर काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक लाइन में करंट दौड़ गया और वह 11 हजार लाइन की चपेट में आ गया। हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गया। मौके पर मौजूद अन्य कर्मचारियों ने आनन-फानन में उसे इलाज के लिए KGMU पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना बुधवार देर शाम की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस और संबंधित विभाग हादसे के कारणों की जांच कर रहे हैं।

फास्ट न्यूज

राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार कोभारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय 'नेहरू भवन' समेत पूरे उत्तर प्रदेश में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर लखनऊ स्थित नेहरू भवन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। दमन सिंह बबलू समेत कई नेता मौजूद रहे।

युवक का स्कॉर्पियो से अपहरण

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में एक युवक को अस्पताल ले जाने के बहाने अगवा कर बेरहमी से पीटा गया। आरोपियों ने उसे स्कॉर्पियो में डालकर सीतापुर और फिर कानपुर ले जाकर मारपीट की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित की पहचान सरोजनी नगर के गंगानगर, अमौसी निवासी 24 वर्षीय गिरजेश सिंह के रूप में हुई है, जो पेशे से चालक है। गिरजेश ने बताया कि बुधवार, 20 मई को दोपहर करीब 12 बजे उसके दोस्त अक्षांश सिंह ने उसे मोबाइल पर कॉल कर अमौसी रेलवे स्टेशन के पास स्थित टीएस मिश्रा अस्पताल चलने को कहा।

राहुल गांधी के खिलाफ पुलिस से शिकायत

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज थाने में अखिल भारत हिंदू महासभा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दी है। उनका आरोप है राहुल गांधी ने अमेठी के एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस को गद्दार कहा था, जिससे करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। गुरुवार अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने हजरत-गंज थाने में शिकायत दी।

पुलिस से तीखी नोकझोंक, रातभर पावर हाउसों पर बवाल, लाइनमैन की मौत

बिजली कटौती से गुस्साए लोगों ने मोहान-रायबरेली रोड जाम किया

- बिजली कटौती से गुस्साए लोगों ने बुद्धेश्वर चौराहे से करीब 100 मीटर दूरी पर मोहान रोड जाम कर दिया।
- प्रदर्शनकारियों ने बुद्धेश्वर चौराहे से करीब 100 मीटर दूरी पर लगभग 2 घंटे मोहान रोड जाम करके प्रदर्शन किया। इसके बाद सुनवाई न होने का आरोप लगाकर हंगामा करते हुए बुद्धेश्वर चौराहा पर आ गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बिजली कटौती से गुस्साए लोगों ने आज, गुरुवार सुबह मोहान रोड और रायबरेली रोड जाम कर दिया है।

मोहान रोड पर बुद्धेश्वर चौराहे के पास करीब 2 घंटे प्रदर्शन हुआ। आगरा एक्सप्रेस-वे को जाने वाले वाहनों को तिकुनिया रोड से डायवर्ट किया गया। उतरेठिया अंडरपास के पास रायबरेली रोड पर करीब 1 घंटे प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के बैरियर से ही रोड जाम किया। इस दौरान उनकी पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई। इसके पहले बुधवार पूरी रात अलग-अलग पावर हाउसों पर बवाल हुआ। गुस्साए लोगों ने पावर हाउसों का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। लोगों के गुस्से को देखते हुए कई पावर हाउसों से बिजली विभाग के अफसर-कर्मचारी भाग गए। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों को शांत कराने की कोशिश की।

कई कॉलोनियों के लोग सड़क पर उतरे

जनता विहार, बादल खेड़ा और आसपास के कई इलाकों में पिछले 3 दिनों से बिजली कटौती की समस्या है। इससे गुस्साए लोगों ने आज सुबह करीब 8 बजे बुद्धेश्वर चौराहे के पास मोहन रोड जाम कर दिया। लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। लोगों का आरोप है कि इलाके में 24 घंटे में सिर्फ 2 घंटे ही बिजली सप्लाई दी जा रही है। बिजली न आने से पानी की आपूर्ति भी पूरी तरह प्रभावित हो गई है।

> लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं कराया गया। लगातार हो रही परेशानी से नाराज होकर क्षेत्रवासियों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हुए। मोहन रोड पर प्रदर्शन और जाम के चलते दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई।

ऊर्जा संरक्षण का संदेश देने बाइक से विधानसभा पहुंचे वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सुरेश कुमार खन्ना गुरुवार को अपने पूर्व निर्धारित संकल्प के तहत मोटरसाइकिल से विधानसभा स्थित कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक दिन साइकिल या दोपहिया वाहन से कार्यालय आने का उनका निर्णय केवल व्यक्तिगत पहल नहीं, बल्कि ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास है।

वित्त मंत्री ने कहा कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां सामान्य नहीं हैं और वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। उन्होंने बताया कि Narendra Modi द्वारा भारत की ओर से लगातार संवाद और शांतिपूर्ण समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन हालात अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हो सके हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह पेट्रोल और डीजल जैसे संसाधनों के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाए। ईंधन की बचत केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित और भविष्य की जरूरतों के लिए भी बेहद जरूरी है सुरेश खन्ना ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे जहां तक संभव हो साइकिल, सार्वजनिक परिवहन और साझा वाहनों का उपयोग करें तथा ऊर्जा संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

केजीएमयू में ओपीडी रजिस्ट्रेशन के लिए 400 मीटर लंबी लाइन

लखनऊ में हीट स्ट्रोक के मरीज बढ़े, गर्मी में लोग हो रहे परेशान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के निजी और सरकारी अस्पतालों में गर्मी से परेशान बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। OPD में पर्चा बनवाने से लेकर गंभीर मरीजों को भर्ती कराने तक लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। अस्पताल प्रशासन व्यवस्था ठीक होने का दावा कर रहा है, लेकिन मरीजों और तीमारदारों की दिक्कतें कम नहीं हो रही हैं। लोगों को लंबी-लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। KGMU, लोहिया संस्थान, सिविल, लोकबंधु, बलरामपुर, डफरिन और राम सागर मिश्र अस्पताल समेत बड़े सरकारी अस्पतालों में रोजाना 100 से ज्यादा ऐसे मरीज पहुंच रहे हैं। KGMU में रजिस्ट्रेशन के लिए सुबह से ही 400 मीटर लंबी लाइन लगी है। सिविल अस्पताल के विशेषज्ञ डॉ.राजेश श्रीवास्तव ने बताया- बढ़ते तापमान के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। बैक्टीरियल संक्रमण से पेट संबंधी दिक्कतें बढ़ रही हैं।

अस्पताल की OPD में रोज करीब 100 बच्चे पहुंच रहे हैं, जिनमें आधे से अधिक बच्चे डायरिया और डीहाइड्रेशन से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों में उल्टी, दस्त और बुखार होने पर डॉक्टर की सलाह से ही दवा दें और खुद से एंटीबायोटिक न खिलाएं।

कार्यवाई : मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने किया आईटीओटी लखनऊ में न्यू वर्कशॉप ब्लॉक-सी का उद्घाटन

योगी सरकार के कौशल विकास अभियान को नई गति, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार

- आधुनिक और उद्योग आधारित कोर्सेज पर जोर, प्लेसमेंट को बनाया जा रहा मजबूत
- छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाना और ड्रॉपआउट रोकना प्राथमिकता: मंत्री कपिल देव अग्रवाल
- आईटीओटी में व्यवसायों की संख्या 10 से बढ़कर 20, 1300 छात्रों को मिल रहा प्रशिक्षण
- 1781 नए अनुदेशकों का प्रशिक्षण जारी, कौशल शिक्षा की गुणवत्ता हो रही मजबूत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यम-शीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने गुरुवार को आईटीओटी अलीगंज (आईटीआई परिसर), लखनऊ में न्यू वर्कशॉप ब्लॉक-सी बिल्डिंग का उद्घाटन किया। इस नई बिल्डिंग में 10 नए व्यवसायों का संचालन प्रारंभ किया गया है, जिससे संस्थान की क्षमता और प्रशिक्षण के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह पहल योगी सरकार के 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' और कौशल आधारित रोजगार सृजन के संकल्प को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि समाज के कमजोर और मध्यम वर्ग से आने वाले विद्यार्थियों के लिए कौशल प्रशिक्षण जीवन बदलने का अवसर होता है। उन्होंने प्रशिक्षकों से कहा कि वे छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावकों से भी संवाद स्थापित करें, ताकि शिक्षा और प्रशिक्षण के प्रति विश्वास और मजबूत हो। उन्होंने कहा कि "जो तपता है वही कुंदन बनता है", इसलिए कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत करने वाले विद्यार्थी ही भविष्य में सफल होते हैं। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास डॉ हरिओम ने विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योगी सरकार के नेतृत्व में विभाग लगातार प्रशिक्षण की गुणवत्ता, आधुनिक कोर्सेज और बेहतर प्लेसमेंट पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ आधुनिक और उद्योग आधारित कोर्सेज को शामिल किया जा रहा है, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को सीधे रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि संस्थानों का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद कितने छात्रों को रोजगार या स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने प्रशिक्षकों से अपेक्षा की कि वे केवल औपचारिकता पूरी न करें, बल्कि गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देकर छात्रों को आत्मनिर्भर बनने में सक्षम बनाएं। निदेशक प्राविधिक डी. के. सिंह ने बताया कि नई बिल्डिंग के निर्माण से पहले संस्थान में 10 व्यवसाय संचालित हो रहे थे।

> मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यह संस्थान केवल प्रशिक्षण का केंद्र नहीं बल्कि युवाओं के सपनों को साकार करने का माध्यम है। उन्होंने प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों में आत्मविश्वास पैदा करना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से पहले विद्यार्थियों में यह विश्वास जगाना आवश्यक है कि वे अपने हुनर के बल पर जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से ड्रॉपआउट रोकने पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक छात्र की निरंतर उपस्थिति और प्रगति सुनिश्चित करना संस्थानों की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

40 डिग्री पार पहुंचा तापमान ■ दिन में लू, रात में बिजली कटौती से लोग बेहाल

4 दिनों से लगातार बढ़ रही गर्मी

उमस

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार जारी है। पिछले चार दिनों से जिले का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो गया है।

गुरुवार सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं का असर देखने को मिला। दोपहर होते-होते तापमान और बढ़ गया, जिसके चलते लोग घरों और दफ्तरों में रहने को मजबूर हो गए।

तेज गर्मी और उमस के कारण शहर से लेकर कस्बों और गांवों तक बिजली व्यवस्था चरमरा गई है।

रात में घंटों बिजली गायब रहने से लोगों की नींद खराब हो रही है। दिन के समय बाजारों और सड़कों पर भीड़ कम दिखाई दी। जरूरी काम होने पर ही लोग घरों से बाहर निकले। गर्मी से बचने के लिए पुरुष गमछे और महिलाएं स्टॉल का इस्तेमाल करती नजर आईं।

भीषण गर्मी के चलते ठंडे पेय पदार्थों और फलों की मांग में तेजी आई है। लोग गन्ने का जूस, शिकंजी, आम का पना, नींबू पानी, बेल और मौसमी का जूस पीकर राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा खीरा और ककड़ी जैसी ठंडी तासीर वाली चीजों का सेवन भी बढ़ गया है।

अभी और बढ़ेगी गर्मी

मौसम विशेषज्ञ रमेश वर्मा ने बताया कि इस सीजन में अब तक 26 अप्रैल को अधिकतम तापमान 43 .5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। उन्होंने आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक लोगों को लू और झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

भूसी लदे ट्रक में लगी आग

शॉर्ट सर्किट से हुआ हादसा, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

तमसा संकेत, एजेंसी

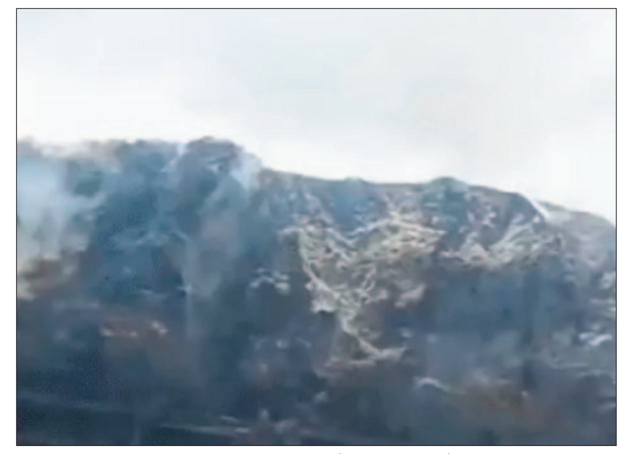

रायबरेली। रायबरेली के गुरुबक्श गंज थाना क्षेत्र में भूसी से लदे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। यह घटना नकदिलपुर इलाके में हुई, जहां शॉर्ट सर्किट के कारण ट्रक आग का गोला बन गया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, ड्राइवर और दो अन्य मजदूर सुरक्षित बच गए।

जानकारी के अनुसार, ट्रक नंबर UP 78 DN 3082 भूसा लेकर नगदिलपुर से केशरुवा भट्टे की ओर जा रहा था। नकदिलपुर प्राइमरी स्कूल के पास बिजली के तार से छू जाने के कारण ट्रक के इंजन में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग फैल गई। ट्रक ड्राइवर सुरेश पुत्र छब्बर (38) और उस पर सवार लेबर अयान, सैफ, कपिल ने तुरंत कूदकर अपनी जान बचाई।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मिट्टी, बालू तथा पानी की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। उन्होंने तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को भी सूचित किया। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों और पुलिस बल ने पानी की मदद से आग पर पूरी तरह काबू पाया। गुरुबक्श गंज थाना अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामले में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

■ नकदिलपुर प्राइमरी स्कूल के पास बिजली के तार से छू जाने के कारण ट्रक के इंजन में शॉर्ट सर्किट हुआ

फास्ट न्यूज

रेलवे ट्रैक पर युवक का शव मिला

रायबरेली। रायबरेली के लालगंज कोतवाली क्षेत्र स्थित पूरे नवरंग सिंह का पुरवा गांव में रेलवे ट्रैक के पास एक 25 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। मृतक की पहचान संदीप पुत्र रामबहादुर, निवासी पूरे नवरंग सिंह का पुरवा के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही लालगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संदीप अपने चार भाइयों में सबसे बड़ा था।

छात्रों का बवाल

बाराबंकी के श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी (SRMU) में एक बीटेक छात्र पर हॉस्टल में घुसकर हमला किया गया है। आरोप है कि कुछ छात्रों ने लोहे की रॉड से हमला कर छात्र का सिर फोड़ दिया। घायल छात्र को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीड़ित छात्र की पहचान कानपुर निवासी रवि के रूप में हुई है। रवि वर्तमान में लखनऊ के मटियारी इलाके में किराये पर रहकर पढ़ाई कर रहा है। रवि ने आरोप लगाया है कि बीटेक के छात्र यश साहू, निखिल द्विवेदी और आयुष कटारिया हॉस्टल में जबरन घुस आए और उस पर हमला कर दिया।

घर में चोरी, परिवार छत पर सोता रहा

सीतापुर। सीतापुर के रामकोट थाना क्षेत्र के अतारापुर गांव में बुधवार देर रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर नकदी और जेवरात समेत हजारों रुपये का सामान पार कर दिया। घटना से गांव में दहशत का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने घर के पीछे से चार टूटे हुए बक्शे बरामद किया है। पीड़ित सुन्दरलाल के पुत्र ने बताया कि भीषण गर्मी और बिजली कटौती के कारण परिवार के सभी लोग रात में घर की छत पर सो रहे थे।

उन्नाव में विरोध प्रदर्शन, प्रदेश संयोजक को सौंपा ज्ञापन

रिंग रोड पर अंडरपास न बनने से किसान नाराज

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सिकंदरपुर सरोसी क्षेत्र में निर्माणाधीन रिंग रोड को लेकर किसानों और ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है। पिंडोखा, लालता खेड़ा सहित आसपास के गांवों के किसानों ने पुरानी सड़क बंद कर बिना अंडरपास बनाए रिंग रोड निर्माण का विरोध किया है।

किसानों का कहना है कि अंडरपास न बनने से गांवों का संपर्क बाधित हो जाएगा और लोगों को खेतों तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उन्हें आवागमन के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ेगा। इसी मुद्दे को लेकर किसानों और ग्रामीणों ने किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने समस्या के समाधान की मांग की और अजय अनमोल को मौके पर ले जाकर निर्माणाधीन रिंग रोड स्थल का निरीक्षण कराया।

निरीक्षण के बाद प्रदेश संयोजक अजय अनमोल ने कहा कि बिना अंडरपास बनाए रिंग रोड का निर्माण जनहित के खिलाफ है। उन्होंने ग्रामीणों और किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर सड़क निर्माण को अनुचित बताया।

शादी के एक साल बाद हुई घटना ■ पत्नी का चारपाई पर तो पति का कमरे में मिला शव

विवाद : गर्भवती पत्नी की हत्या

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में पति ने पत्नी की हत्या कर खुदकुशी कर ली। सुबह देर तक कोई हलतचल न देख पड़ोसी घर गया। दरवाजा खटखटाया। न खोलने पर झांक कर देखा तो महिला का शव आंगन में पड़ा था। पड़ोसी ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

मौके पर पहुंची घर में घुसी तो पहले महिला का शव मिला, फिर कमरे में पति का शव फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, महिला के चेहरे पर धारदार हथियार से वार किया गया है। जिससे उसका चेहरा फट गया और उसकी मौत हो गई।

■ महिला का शव आंगन में ही चारपाई पर लहूलुहान हालत में पड़ा था।

इसरौली गांव का रहने वाला दीपू भार्गव (22) की हरिहरपुर नेवादा की रहने वाली छाया देवी (24) से 9 मई 2025 को शादी हुई थी। शादी के बाद से ही दोनों के बीच मायके आने जाने को लेकर झगड़े होने लगे थे। पिछले साल जून में ही छाया, भार्गव से लड़कर मायके चली गई थी। भार्गव कई बार उसे लाने के लिए गया, लेकिन वह नहीं आई। इसके बाद कई बार पंचायत हुई। दोनों पक्षों में रजामंदी के बाद 11 महीने बाद छाया 19 मई को ससुराल आई थी। 20 मई को दोनों के बीच फिर से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ।

दोनों ने एक साल पहले ही शादी की थी। दो दिन पहले ही वह मायके से आई थी। पिता के मुताबिक, महिला चार माह की प्रेग्नेंट थीं। मामला थानगांव थाना क्षेत्र के इसरौली गांव का है।

पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह पड़ोसियों ने जब देरतक कोई हलचल नहीं देखी तो भार्गव के घर में झांककर देखा। आंगन में ही चारपाई पर छाया का खून से लथपत शव पड़ा था। इसके बाद सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

मृतका के पिता मेवालाल ने बताया कि 19 मई को गांव के कुछ लोग लड़के पक्ष के परिवार को साथ लेकर बातचीत करने आए थे, जिसके बाद उनकी बेटी को विदा कराकर ससुराल ले जाया गया। उनका आरोप है कि दामाद मंगलवार को बाजार से बांका खरीदकर लाया था और देर रात उसी से वार कर उनकी बेटी की हत्या कर दी। मृतका के पिता ने दामाद, सास, ससुर और ननद पर हत्या का आरोप लगाया है।

पति का शव कमरे में फंदे से लटकता हुआ मिला।

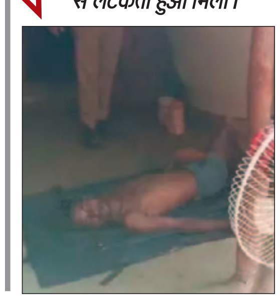

घटना की सूचना पर गांव के लोग घर के बाहर जुटे

एडीशनल एसपी दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। प्रथमदृष्टया जांच में पता चला है कि पति ने ही हत्या कर फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया।

बिजली विभाग की लापरवाही | खेत जाते समय पैर पड़ने से हादसा, ग्रामीणों ने किया हंगामा

लापरवाही : बिजली विभाग ने ली बुजुर्ग की जान

आक्रोश

तमसा संकेत, एजेंसी

तालगांव, सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में बिजली विभाग की एक और बड़ी लापरवाही के कारण एक बेगुनाह बुजुर्ग महिला को अपनी जान गंवानी पड़ी। तालगांव कोतवाली इलाके के उलकापुर गांव में सुबह तड़के शौच के लिए निकली एक 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला रास्ते में टूटकर गिरे 11,000 वोल्ट के हाईवोल्टेज जर्जर तार की चपेट में आ गई। करंट का झटका इतना जोरदार था कि महिला की मौके पर ही तड़प-तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई।

इस घटना के बाद से मृतक महिला के परिवार में कोहराम मच गया है और बिजली विभाग के खिलाफ पूरे गांव में भारी आक्रोश व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उलकापुर गांव की रहने वाली रामप्यारी (70) पत्नी मुल्लू राम रोज की तरह सुबह करीब 6:00 बजे घर से शौच के लिए गांव के उत्तर दिशा की तरफ गई थीं। इसी दौरान उपखंड लहरपुर के शेरपुर फीडर से संचालित होने वाली 11,000 वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का एक जर्जर तार टूटकर रास्ते में गिरा हुआ था। सुबह के धुंधलके में बुजुर्ग महिला इस बात से अनजान थीं और जैसे ही उनका पैर उस चालू लाइन के तार पर पड़ा, वह उसकी चपेट में आ गईं और पल भर में उनकी सांसें थम गईं।

पुराने तार बदलने की मांग

ग्रामीणों ने मांग की कि जब तक इलाके के पुराने बिजली तार बदलकर नए तार नहीं लगाए जाएंगे, तब तक शव का पंचनामा नहीं होने दिया जाएगा। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के बाद संबंधित जेई को कई बार फोन किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

■ तालगांव के उलकापुर गांव में मचा कोहराम, शौच के लिए जाते समय रास्ते में गिरा पड़ा था मौत का तार

■ आक्रोशित ग्रामीणों ने शव उठाने से किया इनकार, तार बदलने की मांग पर अड़े, जेई ने नहीं उठाया फोन

दशकों पुराने लोहे के तारों से लगातार हो रहे हादसे, विभाग बना अनजान

इस दर्दनाक हादसे के बाद घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति गहरा गुस्सा देखने को मिला। ग्रामीणों का साफ तौर पर कहना है कि इस इलाके में दशकों पुराने लोहे के बेहद जर्जर तार दौड़ रहे हैं। इन कमजोर और पुराने तारों के कारण आए दिन इस लाइन में कहीं न कहीं टूट-फूट होती रहती है और लगातार हादसे सामने आते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इन खतरनाक तारों को बदलवाने के लिए उन्होंने कई बार बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों को लिखित में प्रार्थना पत्र दिए, लेकिन कुंभकर्णी नींद में सोए विभाग ने आज तक कोई सुध नहीं ली। विभाग की इसी घोर अनदेखी का नतीजा आज एक बुजुर्ग महिला की मौत के रूप में सामने आया है।

पुलिस को मिले 21 नए डायल 112 वाहन

गंगा एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा होगी मजबूत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव पुलिस को डायल 112 सेवा के तहत 21 नए वाहन मिले हैं। गुरुवार को पुलिस लाइन परिसर से इन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इनमें 13 बाइक और 8 चार पहिया वाहन शामिल हैं, जिससे जिले में आपातकालीन पुलिस सेवा और मजबूत होगी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन नए वाहनों को विशेष रूप से गंगा एक्सप्रेसवे पर तैनात किया गया है। एक्सप्रेसवे पर बढ़ते यातायात और संभावित सड़क हादसों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। अब दुर्घटना या अन्य आपात स्थिति की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच सकेगी।

इससे घायलों को समय पर मदद मिल सकेगी और यातायात व्यवस्था भी सुचारु रहेगी। नए वाहनों के शामिल होने से घटनाओं और सड़क हादसों पर त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी। वाहनों को रवाना करने के दौरान एसएसपी जयप्रकाश सिंह, एएसपी अखिलेश सिंह, एएसपी शैलेन्द्र लाल, सीओ सोनम सिंह और सीओ विनी सिंह मौजूद रहीं।

अधिकारियों ने वाहनों का निरीक्षण कर संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने कहा कि डायल 112 सेवा आम जनता को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। नए वाहनों के मिलने से पुलिस की प्रतिक्रिया क्षमता में सुधार होगा और किसी भी घटना की सूचना पर कम से कम समय में सहायता पहुंचाई जा सकेगी।

निगरानी : वन विभाग टीम रेस्क्यू में जुटी ■ लखनऊ से विशेषज्ञ बुलाए

शारदा सहायक नहर में दिखीं दो डॉल्फिन

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में गुरुवार सुबह बड्डूपुर क्षेत्र के रीवा सीवा गांव के पास शारदा सहायक नहर में दो डॉल्फिन देखी गईं। डॉल्फिन के पानी में तैरने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण नहर किनारे जमा हो गए, जिससे इलाके में कौतूहल का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन दारोगा ओपी यादव ने अपनी टीम के साथ नहर का निरीक्षण किया और डॉल्फिन की उपस्थिति की पुष्टि की। विभाग ने तत्काल सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है और डॉल्फिन को किसी भी नुकसान से बचाने के लिए निगरानी शुरू कर दी है।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नहर में पानी का स्तर काफी कम है, जिससे डॉल्फिन के फंसने या घायल होने का खतरा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लखनऊ से एक विशेषज्ञ रेस्क्यू टीम बुलाई गई है। यह टीम डॉल्फिन को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की रणनीति बना रही है।

अधिकारियों का अनुमान है कि देखी गई डॉल्फिन में से एक मादा और दूसरी उसका बच्चा हो सकती है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा होने के बाद ही की जाएगी। वन रेंजर मयंक सिंह ने जानकारी दी कि डॉल्फिन को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए संबंधित विभाग से नहर में अतिरिक्त पानी छोड़ने पर बातचीत की जा रही है। विभाग की टीम किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए लगातार मौके पर निगरानी बनाए हुए है। ग्रामीणों में डॉल्फिन को लेकर उत्साह देखा गया, वहीं वन विभाग ने लोगों से नहर के पास भीड़ न लगाने और डॉल्फिन को परेशान न करने की अपील की है।

दो सूने घरों से लाखों की चोरी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के हुसैनाबाद गांव में देर रात चोरी की बड़ी वारदात हुई। अज्ञात चोरों ने दो बंद घरों को निशाना बनाया और लाखों रुपये के जेवर तथा नकदी लेकर फरार हो गए।

गांव निवासी रितेश और सुरेश पाल अपने परिवार के साथ गांव में आयोजित भागवत कथा कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। इसी दौरान देर रात अज्ञात चोर सीढ़ियों के रास्ते घर में घुसे। चोरों ने करीब 35 मिनट के भीतर दोनों घरों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने घरों से लाखों रुपये के जेवर और नकदी चुरा ली।

जब परिवार के लोग कथा कार्यक्रम से वापस लौटे, तो उन्हें घरों के ताले टूटे मिले और सामान बिखरा पड़ा था। घर से लाखों रुपये के जेवर और नकदी गायब देखकर उन्होंने तत्काल यूपी डायल 112 पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी।

गुटखा थूकने में अनियंत्रित हुई बस, दुकान से टकराई

रायबरेली में 10 यात्री घायल, लेखपाल परीक्षा देने लखनऊ जा रहे थे

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली में एक तेज रफ्तार रोडवेज बस अनियंत्रित होकर हाइवे किनारे बनी दुकान में जा घुसी। इस हादसे में बस में सवार 10 यात्री घायल हो गए। घायलों में कई लेखपाल की परीक्षा देने लखनऊ जा रहे छात्र भी शामिल हैं।यह घटना हरचंदपुर थाना क्षेत्र के मेदनीलाल का पुरवा के पास हुई। बताया जा रहा है कि बस चालक के गुटखा थूकने के कारण बस अनियंत्रित हो गई, जिससे यह हादसा हुआ।

बस में लगभग 20 यात्री सवार थे, जिनमें से 10 लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही मौके पर तीन एम्बुलेंस पहुंचीं, जिन्होंने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। परिवहन विभाग के आला अधिकारियों ने भी घटनास्थल का जायजा लिया।

आधा दर्जन लोग घायल

बस में सवार घायल यात्री राम सुख ने बताया कि बस की रफ्तार लगभग 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे रही होगी। बस अनियंत्रित होकर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बने नाले को पार करते हुए सीधे एक गुमटी से जा टकराई।

राम सुख के अनुसार, इस दौरान आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में रायबरेली से लखनऊ जा रहे लेखपाल परीक्षा के छात्र और उनके परिवार के लोग शामिल थे। उन्होंने बताया कि पूरे घटना में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है।

क्षेत्र अधिकारी प्रदीप कुमार ने इस पूरे मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस कर्मचारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। तीन एंबुलेंस की मदद से घायल लोगों को नजदीकी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सम्पादकीय

कब तक कुर्बान होंगी नववधुएं

दीपिका नागर और ट्विशा शर्मा की कथित हत्या या आत्महत्या, दहेज के लिए उत्पीड़न और ससुराल पक्ष के अत्याचार की दो खबरें इस समय काफी सुर्खियों में हैं। यह हमारे देश और समाज की कड़वी सच्चाई है कि महिला सशक्तीकरण के लिए बने सारे नियम-कानून महिला उत्पीड़न के बढ़ते आंकड़ों के सामने प्रभावहीन नजर आते हैं। दहेज की कुप्रथा को रोकने के लिए 1 जुलाई 1961 से ही दहेज निषेध अधिनियम, 1961 लागू है। जिसके तहत दहेज लेना और देना दंडनीय अपराध है। दहेज प्रथा को बढ़ावा देना भी गैरकानूनी है और मौखिक या लिखित किसी भी तरह से दहेज के लेन-देन से संबंधित कोई भी समझौता करना भी कानूनन अमान्य है। इस कानून के उल्लंघन पर बाकायदा जुर्माना और जेल दोनों का प्रावधान है। सभ्य समाज चाहे तो इस कानून का पालन कर लड़कियों के लिए एक सुरक्षित माहौल और भविष्य बना ले। लेकिन जिस समाज में लड़की होना ही अघोषित तौर पर अपराध बना हुआ है, वहां ऐसी कोई भी उम्मीद बेकार ही है। 2026 में आकर भी हमें संदिग्ध हालात में ससुराल में नवविवाहिताओं की मौत पर चर्चा करनी पड़ रही है। यही हाल पिछली सदी का भी था, तब एक गंभीर बात मजाक की तरह कही जाने लगी थी कि सारे स्टोव दुल्हनों के सामने ही क्यों फटते हैं। क्योंकि उस समय कई बहुएं स्टोव फटने के कारण जलकर मर जाती थीं। उनके ससुराल वाले मायके में खबर करते थे कि आपकी बेटी जल गई। अब स्टोव नहीं है, तो मानसिक तौर पर बीमार होने के कारण सामने आने लगे हैं। भोपाल में ट्विशा शर्मा की कथित आत्महत्या के पीछे भी उनकी सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह ने यही बताया है कि ट्विशा मानसिक रोगी थी। गौरतलब है कि नोएडा की रहने वाली ट्विशा की शादी भोपाल में समर्थ सिंह से हुई थी। बीती 12 मई को रात को अचानक ट्विशा की मौत की खबर उनके परिजनों को दी गई। ससुराल पक्ष ने कहा है कि ट्विशा ने फांसी लगा ली, वहीं पुलिस ने भी शुरुआती जांच में इसे आत्महत्या माना है, लेकिन मृतका के परिवार ने इसे सोची-समझी साजिश करार दिया है। परिवार का आरोप है कि शादी के बाद से ही ट्विशा पर नौकरी छोड़ने और गर्भवती होने को लेकर लगातार मानसिक और शारीरिक दबाव बनाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि मौत से ठीक पहले ट्विशा ने अपनी एक सहेली को फोन पर कई संदेश भेजे थे, जिसमें अपने उत्पीड़न की बात उन्होंने कही थी। एम्स भोपाल में मौत के बाद ट्विशा का पोस्टमार्टम हुआ, जिसकी रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि ट्विशा की मौत फांसी लगाने से हुई थी। उनके शरीर पर कोई बड़ी चोट के निशान तो नहीं हैं, लेकिन उनके हाथ समेत शरीर के कुछ हिस्सों पर चोट के निशान भी पाए गए हैं। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि मौत से करीब एक हफ्ते पहले ट्विशा का गर्भपात हुआ था। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ये चोटें कैसे आईं। 12 मई को जब ट्विशा शर्मा कथित तौर पर घर की छत पर जिमनास्टिक रिंग की रस्सी के सहारे लटकी हुई मिली तो ससुराल वाले उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद ट्विशा के मायके वालों की शिकायत पर पुलिस ने ट्विशा के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह के खिलाफ दहेज हत्या और प्रताड़ना का मामला दर्ज किया था। जिसमें गिरिबाला सिंह को अग्रिम जमानत मिल चुकी है, लेकिन समर्थ सिंह इन पंक्तियों के लिखे जाने तक फरार ही है। गिरिबाला सिंह ने इस बीच मीडिया में कुछ इंटरव्यू भी दिए हैं, जिसमें उन्होंने ट्विशा की मानसिक स्थिति ठीक न होने की बात कही। गिरिबाला सिंह के मुताबिक ट्विशा ने कहा कि उसे पौधे पसंद हैं, लेकिन वह उनमें पानी नहीं देती थी, बच्चे पसंद होने की बात कही, लेकिन पालना नहीं चाहती थी। खाना बनाना पसंद होने की बात कही, लेकिन अपनी देखरेख में न खाना बनवाना चाहती थी, न सब के साथ बैठकर खाना खाती थी। यह बात समझ से परे है कि जो व्यक्ति अपना पक्ष रखने के लिए इस दुनिया में नहीं है, उसकी मौत के चंद दिन बाद ही इस तरह शिकायती लहजे में बातें करना किस लिहाज से सही है। यह मामला फिलहाल कानूनी दायरे में है, तो ऐसे में गिरिबाला सिंह का सार्वजनिक बयानबाजी करना भी क्या सही है। बता दें कि ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा ने गिरीबाला सिंह पर गंभीर आरोप लगाएं हैं कि वे मीडिया के सामने उनकी मृत बेटी के चरित्र पर लांछन लगा रहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शादी के बाद से ट्विशा को प्रताड़ित किया जाता था।

यदि बंगाल में भाजपा सरकार नहीं बनती तो 'चिकन नेक' का विकास असंभव था

> 66 भाजपा ने आरोप लगाया था कि बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ जिसे उसने तृणमूल सरकार की ओर से बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। आरोपों में कहा गया था कि उत्तरी बंगाल के सीमावर्ती जिलों की आबादी का स्वरूप बदलकर सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को और भी ज़्यादा कमज़ोर कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी सरकार के गठन और सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के बाद सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे 'चिकन नेक' कहा जाता है, के विकास और सुरक्षा से जुड़ी लंबित फाइलों को केवल 15 दिनों के भीतर जिम्मेदारी सौंपी दी गई है। जिन हिस्सों की जिम्मेदारी सौंपी गई उनमें से कई हिस्से संकरे और संवेदनशील 'चिकन नेक' कॉरिडोर से होकर गुज़रते हैं, जो पूर्वोत्तर और देश के बाकी हिस्सों के बीच जमीन से जुड़ा एकमात्र रास्ता है।बंगाल की नई सरकार ने अपने शुरुआती फैसलों में से एक में, नेशनल हाईवे के सात हिस्सों को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नेशनल हाईवेज़ एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को सौंपने की मंजूरी दे दी है। इस कदम का असर न सिर्फ़ इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास जैसे सड़कों की मरम्मत और चौड़ीकरण और व्यापार पर पड़ेगा, बल्कि रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी पड़ेगा। यह ऐसा विषय हैं जिसपर भाजपा हमेशा से बातें करती रही हैं। अब केंद्र और बंगाल, दोनों जगहों पर भाजपा सत्ता में है। सौंपे गए सात हिस्सों में से पांच सिलीगुड़ी कॉरिडोर या 'चिकन नेक' से होकर गुज़रते हैं। यह 60 किलोमीटर लंबा एक इलाका है, जो अपनी सबसे संकरी जगह पर महज़ 20-22 किलोमीटर चौड़ा है और नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के बीच फंसा हुआ है, जबकि इसके उत्तर में सिक्किम के पार चीन स्थित है। इस कॉरिडोर में किसी भी तरह की रुकावट से आठ पूर्वोत्तर राज्यों के साथ कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है। सुरक्षा जानकारों ने इस क्षेत्र में ज़्यादा चौड़े और ज्यादा मज़बूत हाईवे की जरूरत पर बार-बार जोर दिया है, खासकर 2017 में चीन के साथ डोकलाम गतिरोध (भारत-भूटान-चीन के मिलन बिंदु पर) और बार-बार होने वाले भूस्खलन को ध्यान में रखते हुए, जिससे अक्सर सिक्किम और पहाड़ी इलाकों से संपर्क टूट जाता है। बंगाल मुख्य सचिव के दफ़्तर से जारी एक प्रेस नोट में कहा गया है, 'पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य लोक निर्माण विभाग के NH विंग से राष्ट्रीय राजमार्गों के सात हिस्सों को NHAI और NHIDCL को सौंपने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।'इसमें कहा गया है कि ये प्रस्ताव केंद्रीय एजेंसियों के बार-बार अनुरोधों के बावजूद लगभग एक साल से राज्य सरकार के पास लंबित थे और औपचारिक रूप से सौंपे जाने के अभाव में इन हिस्सों पर काम रुका हुआ था। भाजपा ने इन हिस्सों को केंद्रीय एजेंसियों को सौंपने में हुई देरी को लेकर ममता बनर्जी की पिछली सरकार पर लगातार हमले किए थे। साल 2020 में दिल्ली में हुए सांप्रदायिक दंगों के आरोपी शरजील इमाम ने कहा था कि अगर 5 लाख मुसलमान भी इकट्ठा हो जाएं तो चिकन नेक को बंद करके भारत को भारत को नॉर्थ ईस्ट के राज्यों से पूरी तरह काटा जा सकता है। शरजील इमाम ये बात इसलिए कह रहा था, क्योंकि चिकन नेक के इलाके को मुस्लिम अक्सरियत माना जाता है। मुस्लिम अक्सरियत का मतलब ये है कि यहां मुस्लिम आबादी बहुसंख्यक है। अब ये बात इतनी खतरनाक थी कि इसके कारण शरजील इमाम को आज तक अदालत से जमानत नहीं मिली। जबकि केंद्र सरकार ने भी ऐसी कई कोशिशें कीं, जिससे चिकन नेक का इलाका उसकी एजेंसियों और बीएसएफ को पूरी तरह मिल जाए। ममता बनर्जी को इसके लिए कई प्रस्ताव भेजे गए, लेकिन वह ऐसा करने के लिए तैयार नहीं हुईं। शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद, भाजपा ने यह हवाला देकर कहा था कि बांग्लादेश से आने वाली कट्टरपंथी और भारत-विरोधी आवाज़ें 'चिकन नेक' को काटकर भारत को कमजोर करने की बातें कर रही हैं। जहां एक तरफ ममता यह दलील देती रहीं कि सीमा प्रबंधन केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है, वहीं भाजपा ने दावा किया कि केवल डबल-इंजन वाली सरकार ही इस नाज़ुक रास्ते को मज़बूत बनाने में सक्षम है। अधिकारियों ने बताया कि यह हस्तांतरण फैसला उन राजमार्गों के लंबे समय से अटके विस्तार, मज़बूतीकरण और मरम्मत के काम में तेजी ला सकता है, जिन्हें रक्षा लॉजिस्टिक्स, व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए बेहद अहम माना जाता है। खास तौर पर, NH10 मॉनसून से होने वाले नुकसान की चपेट में आता रहा है, जिससे सिक्किम को होने वाली सप्लाई में बार-बार रुकावटें आती रही हैं। दार्जिलिंग को जोड़ने वाले NH110 को भी सालों से भूस्खलन, ज़मीन धंसने और ट्रैफिक जाम जैसी पुरानी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस पूरे क्षेत्र को 'चिकन नेक' इसलिए कहा जाता है क्योंकि भौगोलिक रूप से इसका आकार मुर्गी की गर्दन जैसा पतला है। यह पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से में दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी के पास स्थित है। लगभग 60 किलोमीटर लंबे इस पूरे इलाके की सबसे संकरी जगह महज 20 से 22 किलोमीटर चौड़ी है। आकार में छोटा होने के बावजूद यह भारत का सबसे संवेदनशील भूभाग माना जाता है।सिलीगुड़ी कॉरिडोर सिर्फ आंतरिक रूप से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इसकी अंतरराष्ट्रीय सीमाएं इसे और भी संवेदनशील बनाती हैं। यह इलाका नेपाल और बांग्लादेश की सीमाओं से घिरा हुआ है। इसके साथ ही, सिक्किम और तिब्बत की चुंबी वैली सहित भूटान का डोकलाम ट्राई-जंक्शन भी इसके बेहद करीब स्थित है। चीन की नजरें हमेशा इस इलाके के पास टिकी रहती हैं, जिससे इस भूभाग पर किसी भी तरह का प्रशासनिक या ढांचागत व्यवधान पूरे देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है।

■ अशोक भाटिया

विदेश न जाने या ...

सर्वमित्रा सुरजन

ही ही-खी खी कूटनीति ने भारत का बनाया मजाक

इस महंगाई की सबसे पहली मार पोषण पर ही पड़ती है, खासकर महिलाओं और बच्चों के कुपोषित होने की आशंका सबसे अधिक रहती है। सोना न खरीदने या विदेश न जाने की अपील तो उस समृद्ध तबके को ही परेशान करेगी, जिसके पास बढ़ती महंगाई के बावजूद इन चीजों पर खर्च करने की गुंजाइश रहती है। विदेश न जाने या सोना न खरीदने के बावजूद उनके रोजमर्रा के खान-पान पर कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ठान रखा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को शर्मसार करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। विदेशी राष्ट्राध्यक्षों के साथ उनकी ही ही-खी खी और जबरन गले पड़ना ही काफी नहीं था कि अब मेलोडी टॉफी बांटकर अंतरराष्ट्रीय संबंधों को साधा जा रहा है। हमें नहीं मालूम कि प्रधानमंत्री का असल बचपन किस अवस्था में गुजरा, लेकिन जब वे 6-7 बरस के रहे होंगे यानी सन् 56-57 में, तब विद्यालयों में जन्मदिन के मौकों पर संगी-साथियों और शिक्षकों को टॉफी बांटने का चलन भी नहीं था। यह बाद का चलन है और आज कई स्कूलों में जन्मदिन के मौके पर बच्चे टॉफी का पैकेट लेकर जाते हैं, अपनी कक्षा के बच्चों को खिलाते हैं और साथ ही स्कूल के सभी शिक्षकों को भी। यह कोई अनिवार्यता नहीं है, लेकिन बच्चों की खुशियां बांटने का एक ढंग है। आम तौर पर मेलोडी या कॉफी बाइट जैसी टॉफियों के पैकेट ही बच्चे ले जाते हैं, क्योंकि यह ज्यादा महंगी नहीं पड़ती है। नरेन्द्र मोदी ने पारले कंपनी की इसी मेलोडी टॉफी के पैकेट को अब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भेंटस्वरूप दिया है। सवाल है कि क्या नरेन्द्र मोदी बचपन में स्कूल में टॉफी न बांट पाने की कसक को 75 बरस की उम्र में पूरा कर रहे हैं, या मेलोनी से अपनी निजी दोस्ती को वे सोशल मीडिया के जरिए प्रचारित-प्रसारित कर रहे हैं या कूटनीति को लेकर उनकी समझ इतनी हल्की है जिसे वे टॉफी के रैपर में लपेट कर पेश कर रहे हैं। पाठकों को बता दूं कि मेलोनी और मोदी के नामों को मिलाकर हैशटैग मेलोडी तीन सालों से सोशल मीडिया पर चल रहा है। 2023 में हुए कॉप 28 समिट में मेलोनी ने मोदी के साथ सेल्फी शेयर की थी और तब इस हैशटैग का इस्तेमाल किया था। तब से दोनों नेताओं की जब भी मुलाकात होती है, इंटरनेट पर मेलोडी हैशटैग के साथ मीम्स और चुटकुले आने लगते हैं। सोशल मीडिया की दुनिया यही है कि यहां गंभीर से गंभीर विषय भी मजाक में कब तब्दील हो जाए, पता नहीं चलता। लेकिन भारतीय परंपरा और संस्कृति की बार-बार दुहाई देने वाले मोदी क्या नहीं जानते कि एक स्त्री और एक पुरुष का नाम कब और क्यों साथ में जोड़ा जाता है, या लिखा जाता है। अगर सोशल मीडिया दो देशों के प्रधानमंत्रियों (जिसमें दोनों जीवनसाथी रहित हैं) को लेकर ऐसे सस्ते मजाक कर रहा है, तो क्या यह जरूरी है कि प्रधानमंत्री उस मजाक को आगे बढ़ाएं और सोशल मीडिया पर समय बिताने वालों को प्रोत्साहित करें कि वे आगे इसी तरह मस्ती-मजाक में कूटनीति जैसे गंभीर विषय को उपेक्षित होने दें। 20 मई की सुबह जब सोशल मीडिया एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी की मेलोनी को मेलोडी भेंट करते हुए वीडियो देखा तो एकबारगी यकीन नहीं हुआ कि यह सच है, लेकिन ऐसा ही था। खुद मेलोनी ने इसे अपने सोशल मीडिया पर डाला और अब इंटरनेट पर यह चर्चा में है। वीडियो में नजर आ रहा है कि नरेन्द्र मोदी ने नीले बंद गले के सूट में मेलोनी को टॉफी का बैग थमाया, जबकि मेलोनी सफेद सूट में थीं। मेलोनी ने इस वीडियो को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, 'उपहार के लिए धन्यवाद। वीडियो में मेलोनी कहती सुनाई दे रही हैं,' उन्होंने हमें एक बहुत ही अच्छी टॉफी गिफ्ट की। इसके बाद दोनों नेता जोर-जोर से हंस पड़े। यह क्लिप पोस्ट होने के एक घंटे के अंदर लगभग 10 लाख लोगों ने इसे देखा, जिस पर हजारों प्रतिक्रियाएं लिखी गईं। मोदी की यह हंसी गरीब जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने के समान लग रही है, जो पेट्रोल-डीजल, सीएनजी, गैस सिलेंडर, दूध, ब्रेड सब कुछ महंगा होने पर परेशान है कि घर के खर्चों को कैसे पूरा किया जाएगा। इस महंगाई की सबसे पहली मार पोषण पर ही पड़ती है, खासकर महिलाओं और बच्चों के कुपोषित होने की आशंका सबसे अधिक रहती है। सोना न खरीदने या विदेश न जाने की अपील तो उस समृद्ध तबके को ही परेशान करेगी, जिसके पास बढ़ती महंगाई के बावजूद इन चीजों पर खर्च करने की गुंजाइश रहती है। विदेश न जाने या सोना न खरीदने के बावजूद उनके रोजमर्रा के खान-पान पर कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है। लेकिन गरीब आदमी तो सबसे पहले अपनी थाली में ही कटौती करेगा। देश को आर्थिक संकट की उथल-पुथल में छोड़कर विदेश जाने वाले नरेन्द्र मोदी के बचाव में यही तर्क सुनने मिल रहे हैं।

बाकी पैसा फिर ....

डा.रमेश ठाकुर

ट्रांसजेंडरों के लिए आवंटित धन के बंटवारे में कंजूसी क्यों?

ट्रांसजेंडर समुदाय के जीवन को बदलने वाली सरकारी योजनाएं जमीन पर नहीं उतर पाईं। केंद्र सरकार द्वारा पिछले 5 वर्षों के दौरान बजट के रूप में आवंटित भारी भरकम धनराशि प्रशासनिक लापरवाहियों के चलते खर्च ही नहीं हो सकी? प्रत्येक वर्ष का पैसा वापस जाता रहा। जबकि, किन्नरों को भी मुख्यधारा से जोड़ने को केंद्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रयास हुए थे। अगर ईमानदारी से पूरा पैसा खर्च किया जाता, तो किन्नर समुदाय में भारी बदलाव आया होता। सरकार-समाज ये दोनों वर्ग अच्छे से परिचित हैं कि किन्नरों को हमेशा से सामाजिक स्वीकार्यता से दूर रखा गया है। ट्रांसजेंडरों की संख्या भारत में लगभग 6 लाख के आसपास है। पिछली जनगणना में 4,87,803 संख्या सामने आई थी। उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक है वहां 1,37,465 किन्नर रहते हैं। पर, अफसोस विकसित होते समाज में भी ये समूची आबादी अब भी हाशिए पर है।

हाल में संपन्न हुए संसद सत्र में इसी मुद्दे को सांसद संजय सिंह से राज्यसभा में पुरजोर से उठाकर व्यवस्था तंत्र का ध्यानाकर्षण करवाया। तभी, केंद्र सरकार ने नए सिरे से समीक्षा करने का मन भी बनाया है। समाज के दूसरे पारंपरिक समुदायों के मुकाबले ट्रांसजेंडर भी तरक्कर करें, देश के विकास की मुख्यधारा में लोगों के साथ कदमताल मिलाएं, को ध्यान में रखकर ही इनके कल्याण के लिए तमाम सारी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया गया था। प्रत्येक वर्ष करोड़ों का बजट आवंटन होना आरंभ हुआ। लेकिन, दुर्भाग्य किसी भी साल पूरी धनराशि किन्नर कल्याण पर खर्च नहीं हुई। पैसा खर्च नहीं होना, निश्चित रूप से बड़ा मजाक ही कहा जाएगा। पिछले 4-5 वर्षों में आवंटित धनराशि पर गौर करें, तो महसूस होगा कि वास्तव में कितना बड़ा विश्वासधात किन्नरों के साथ किया गया? काविड-19 के बाद साल 2021-22 के केंद्रीय बजट में ट्रांसजेंडरों के लिए केंद्रीय बजट में 20 करोड़ रूपए आवंटित किए गए, जिसमें मात्र एक करोड़ 91 लाख ही खर्च हुए। यानी केवल 9.55 फीसदी धन खर्च हुआ। बाकी पैसा फिर से वापस चला गया। 2022-23 में इस धनराशि में इजाफा किया गया। 20 के जगह 30 करोड़ आवंटित हुए। लेकिन उसे भी खर्च नहीं किया गया। मात्र 12 लाख खर्च किए। संपूर्ण धनराशि का केवल आधा ही फीसदी? उसके बाद साल 2023-24 में और बढ़ोतरी करके 52 करोड़ 91 लाख रूपए किन्नर कल्याण कोष को दिए। दुर्भाग्य वह पैसा भी खर्च नहीं हुआ? सिर्फ 6 करोड़ 59 लाख खर्च हुए। यानी 12.45 फीसदी। 2024-25 में 68 करोड़ 46 लाख रूपए आवंटित किए, जिनमें भी केवल 5 करोड़ 14 लाख रूपए ही खर्च हुए। सिर्फ 7.5 फीसदी ही विभाग खर्च कर पाया। ये मजाक नहीं तो और क्या है?

जरा हटके

वियतनाम सरकार ...

नन्तू बनर्जी

घरेलू तेल खपत को कम करने का समय आ गया

दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद खुदरा तेल की खपत के तरीके पर रोक लगाने में भारत की लगातार हिचकिचाहट, अगर मंजूर नहीं है, तो समझ से बाहर है। सरकार, जो खुदरा तेल की कीमतों का करीब 50 प्रतिशत कर लगाकर सबसे अधिक लाभ उठाती है, ईंधन की खपत को कम करने के लिए तैयार नहीं है, जबकि देश लगभग 90 प्रतिशत कच्चे तेल के आयात पर निर्भर है। पिछले शुक्रवार को, भारत के सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने चार साल में पहली बार पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें तीन रुपये प्रति लीटर से थोड़ी ज़्यादा बढ़ा दीं ताकि दुनिया भर में कच्चे तेल की ज़्यादा कीमतों के कारण तेल मार्केटिंग कंपनियों को हुए कुछ नुकसान की भरपाई की जा सके। ईरान पर अमेरिकी-इज़रायली हमलों से शुरू हुए युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के ज़रिए शिपिंग में रुकावट के बाद खुदरा ईंधन की कीमतें बढ़ाने वाली यह आखिरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। ज़्यादातर देशों ने पहले ही घरेलू तेल की कीमतें बढ़ा दी हैं। दूसरों ने खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय ईंधन सब्सिडी को समायोजित किया है। ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद दुनिया भर के देशों—खासकर दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया—को आपूर्ति में भारी रुकावट और आसमान छूती कीमतों की वजह से घरेलू तेल की खपत को नियंत्रित करने और राशन करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। छोटे से देश श्रीलंका की सरकार ने नेशनल फ्यूल पास क्यूआई सिस्टम के ज़रिए सख्त ईंधन राशनिंग लागू की है, जिससे हर गाड़ी में पेट्रोल की मात्रा सीमित हो गई है, और आने-जाने में कमी लाने के लिए बुधवार को सार्वजनिक छुट्टी घोषित कर दिया है। ईंधन का इस्तेमाल कम करने के लिए, पाकिस्तान ने हफ़्ते में चार दिन काम करने की व्यवस्था की है, दो हफ़्ते के लिए स्कूल बंद कर दिए हैं, और सरकारी गाड़ियों के लिए ईंधन भत्ता में 50 प्रतिशत की कमी ज़रूरी कर दी है। इंडोनेशिया ने सब्सिडी वाले ईंधन की बिक्री पर सख्त सीमा लागू की है और बढ़ती ऊर्जा कीमतों का मुकाबला करने के लिए असैन्य सेवा में लगे लोगों के लिए वर्क-फ्रॉम-होम नीति ज़रूरी कर दी है। मिस्र ने सभी सरकारी गाड़ियों के लिए ईंधन आवंटन में 30 प्रतिशत की कटौती की है। इसने बड़े पैमाने के सार्वजनिक परियोजनाओं को भी धीमा कर दिया है जिनमें ज़्यादा मात्रा में ईंधन की खपत होती है। वियतनाम सरकार ने शुद्ध खनिज तेल पर घरेलू निर्भरता कम करने के लिए इथेनॉल युक्त तेल की ओर बदलाव का आदेश दिया। जिन देशों में खुदरा खनिज तेल की कीमतों में बहुत ज़्यादा बढ़ोतरी देखी गई, उनमें म्यांमार (101 प्रतिशत), कंबोडिया (68 प्रतिशत), फिलीपींस (54.2 प्रतिशत), वियतनाम (50 प्रतिशत से ज़्यादा), और पाकिस्तान (42 प्रतिशत) शामिल हैं। तुलना में पेट्रोल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी यूनाइटेड स्टेट्स में देखी गई, जहां पेट्रोल पंप की कीमतें ऑस्ट्रेलिया (29 प्रतिशत), कनाडा (28 प्रतिशत), और यूके (20 प्रतिशत) के मुकाबले लगभग 36 प्रतिशत बढ़ीं। डीज़ल ड्राइवरों को यूरोपियन ऊर्जा संकट का सबसे ज़्यादा खामियाजा भुगतना पड़ा, जहां औसत पंप कीमतों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जहां स्पेन ने यूरोपीय यूनियन में डीज़ल की कीमतों में सबसे ज़्यादा 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, वहीं जर्मनी में ईंधन की लागत लगभग 19 प्रतिशत बढ़ गई। चीन में, सरकारी नियंत्रण और रिफाइनरी समायोजन से कीमतों में बढ़ोतरी लगभग 28 प्रतिशत पर सीमित थी। भारत में, जहां केन्द्रीय और राज्य करों की वजह से तेल की कीमतें पहले से ही बहुत ज़्यादा हैं, पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में लगभग 3.2 प्रतिशत से 3.4 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी की है। सऊदी अरब ने सीधा सरकारी सब्सिडी ढांचे की वजह से बिना किसी बढ़ोतरी के खुदरा कीमतें स्थिर रखीं। जबकि ज़्यादातर बड़े तेल आयातक देशों ने आम जनता के लिए खनिज तेल का इस्तेमाल सीमित कर दिया है, भारत, जो चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक देश है, ने कुछ अनजान कारणों से कोई सीमा या रोक नहीं लगायी है। भारत के पास केवल लगभग 4.6 से 4.9अरब बैरल कच्चा तेल भंडार है। यह अपनी ज़रूरतों का 85 प्रतिशत से ज़्यादा आयात करता है और आपातकालीन आपूर्ति सुरक्षा के लिए भी भंडार सुरक्षित रखता है। चीन और अमेरिका द्वारा तेल आयात का मकसद मूल रूप से अपने बड़े आन्तरिक तेल भंडार की सुरक्षा करना है। अमेरिका के पास लगभग 83 अरब बैरल कच्चा तेल भंडार है। चीन के रिज़र्व का अनुमान 28अरब बैरल से ज़्यादा है। इस हिसाब से चीन दुनिया भर में 13वें नंबर पर है और दुनिया के कुल तेल भंडार का लगभग 1.6 प्रतिशत हिस्सा इसके पास है। चीन और अमेरिका दुनिया भर में कच्चे तेल की मांग के मुख्य ड्राइवर हैं, हालांकि उनकी आयात ज़रूरतें अलग-अलग आर्थिक और घरेलू उत्पादन कारकों से तय होती हैं। चीन, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एक मुख्य मैन्युफैक्चरिंग हब है, को औद्योगिक उत्पादन और बढ़ती घरेलू खपत को बनाए रखने के लिए बहुत ज़्यादा ऊर्जा आपूर्ति की ज़रूरत है। यह नियमित तौर पर हर दिन 110 लाख बैरल से ज़्यादा आयात करता है। भारत अपने तेज़ी से हो रहे शहरीकरण, औद्योगिक विकास और बड़े परिवहन नेटवर्क के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए अपनी तेल की लगभग 85 प्रतिशत मांग आयात से पूरी करता है।

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारणी में यूपी से 9 दावेदार

असम जिताने वाले हरीश द्विवेदी, गुर्जर चेहरा कटारिया पर क्यों लगा रहे दांव

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी है। 20 जनवरी, 2026 को राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद नितिन नवीन अब अपनी नई टीम की घोषणा करने वाले हैं।

राजनीतिक गलियारों में इस नई टीम का बेसब्री से इंतजार है। माना जा रहा है कि इस बार टीम में युवा चेहरों को तरजीह दी जाएगी। जिससे अध्यक्ष और पदाधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल रहे।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा चुनाव- 2027 को देखते हुए यूपी से इस टीम में एक ब्राह्मण, एक ठाकुर, एक वैश्य और 2-3 पिछड़े वर्ग के नेताओं को जगह दी जा सकती है। इस तरह से जातिगत समीकरण साधने की कोशिश की जाएगी।

14 दिसंबर, 2025 को नितिन नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था।

राष्ट्रीय टीम में होने वाले फेरबदल

वर्तमान में भाजपा की राष्ट्रीय टीम में यूपी से कई बड़े नाम शामिल हैं, जिनमें इस बार बड़े फेरबदल के संकेत हैं-

- ये चेहरे बदल सकते हैं- राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह या राधा मोहन दास अग्रवाल में से किसी एक को हटाया जा सकता है। या फिर नई जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके अलावा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तारीख मंसूर, रेखा वर्मा और लक्ष्मीकांत वाजपेयी की जगह नए चेहरों को मौका मिल सकता है।
- उम्र की वजह से हट सकते हैं- राष्ट्रीय मुख्य कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल की उम्र ज्यादा होने की वजह से उनकी जगह किसी नए विकल्प पर विचार कर रही है।
- प्रमोशन के आसार- राष्ट्रीय मंत्री सुरेंद्र सिंह नागर को उनके काम का इनाम देते हुए पदोन्नत (प्रमोट) किया जा सकता है।

सूत्रों ने बताया कि इस सर्वे में सिर्फ विधायकों का ही नहीं, बल्कि योगी सरकार की योजनाओं और नौ साल के कामकाज को लेकर भी जनता का मूड भांपा जा रहा है। पार्टी यह जानना चाहती है कि किस इलाके में सरकार की ब्रांडिंग मजबूत है

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल होने के मायने-

- राष्ट्रीय स्तर पर पहचान- राज्य स्तर की राजनीति से निकलकर नेता सीधे राष्ट्रीय स्तर पर आ जाता है।
- केंद्रीय नेतृत्व से सीधा जुड़ाव- राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठकों में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसे शीर्ष नेता मौजूद रहते हैं। इससे नेताओं को अपनी बात रखने का मौका मिलता है।
- नीति निर्धारण में भूमिका- देश के राजनीतिक और आर्थिक प्रस्ताव पास किए जाते हैं। नेताओं की राय की वैल्यू बढ़ जाती है।
- टिकट वितरण और फैसलों में दबदबा- जब कोई नेता राष्ट्रीय टीम में शामिल होता है, तो विधानसभा या लोकसभा चुनावों में टिकट वितरण और संगठन की नियुक्तियों में उनके सुझावों को ज्यादा वजन दिया जाता है।

'नवीन' टीम के लिए यूपी से ये 9 बड़े दावेदार

डॉ. महेंद्र सिंह
एमएलसी व एमपी प्रभारी

केंद्रीय नेतृत्व में पीएम मोदी, अमित शाह, बीएल संतोष और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बेहद करीबी हैं। असम और त्रिपुरा में भाजपा सरकार बनवाने में प्रभारी के रूप में अहम भूमिका रही थी।

अनूप गुप्ता
एमएलसी

साधारण कार्यकर्ता से सफर शुरू करने वाले गुप्ता चुनाव प्रबंधन के माहिर खिलाड़ी हैं। वैश्य समाज के बड़े नेता हैं। हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष व कैबिनेट विस्तार की दौड़ में भी शामिल थे।

विजय बहादुर पाठक
एमएलसी व प्रदेश उपाध्यक्ष

पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र के करीबी और गृहमंत्री अमित शाह के भरोसेमंद। मीडिया प्रभारी और प्रवक्ता के रूप में लंबा अनुभव।

हरीश द्विवेदी
पूर्व सांसद व असम प्रभारी

असम चुनाव में एकतरफा जीत के रणनीतिकार रहे और अमित शाह के करीबी हैं। हाल ही में यूपी प्रदेश अध्यक्ष पद के भी मजबूत दावेदार थे।

अशोक कटारिया
पूर्व मंत्री

भाजपा का बड़ा 'गुर्जर' चेहरा। सपा द्वारा गुर्जर वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिशों को नाकाम करने के लिए इन्हें राष्ट्रीय टीम में अहम पद मिल सकता है।

अश्विनी त्यागी
एमएलसी व वाराणसी प्रभारी

भूमिहार समाज से आते हैं। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के प्रभारी हैं। कई बड़े अभियानों को सफल बना चुके हैं।

अमरपाल मौर्य
राज्यसभा सांसद

संगठन और संघ (आरएसएस) के शीर्ष नेताओं (बीएल संतोष, अरुण कुमार) के बेहद भरोसेमंद। वर्तमान में सरकार, संघ और संगठन के बीच सेतु का काम कर रहे हैं।

संतोष सिंह
एमएलसी व ब्रज क्षेत्र प्रभारी

साल- 2010 से लगातार संगठन में सक्रिय हैं। जमीनी स्तर पर कार्यक्रमों को लागू कराने और चुनाव मैनेजमेंट का लंबा अनुभव है। संघ में अच्छी पकड़।

श्रीकांत शर्मा
पूर्व ऊर्जा मंत्री

पश्चिमी यूपी का बड़ा ब्राह्मण चेहरा। पूर्व राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रहे हैं। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

यूपी संगठन भी बदलेगा, पंकज चौधरी की लिस्ट तैयार

राष्ट्रीय टीम के साथ-साथ यूपी की नई प्रदेश कार्यकारिणी का ऐलान भी जल्द हो सकता है। 14 दिसंबर, 2025 को प्रदेश अध्यक्ष बने पंकज चौधरी अपनी नई लिस्ट लेकर दिल्ली गए हैं।

प्रदेश कार्यकारिणी के साथ ही कई क्षेत्रीय अध्यक्षों के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद उन्हें बदला जाएगा। संतोष सिंह, विजय बहादुर पाठक, अमरपाल मौर्य और कांता कर्दम जैसे दिग्गजों को केंद्रीय संगठन में भेजे जाने की चर्चाओं के बीच नए और कर्मठ कार्यकर्ताओं को प्रदेश संगठन में जगह दी जाएगी।

भाजपा करा रही विधायकों का सर्वे

उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के क्रम में भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने 2022 में जीते अपने विधायकों का 'रिपोर्ट कार्ड' तैयार करना शुरू कर दिया है। पार्टी सूत्रों की मानें तो पार्टी यह परख रही है कि क्षेत्र में विधायक की जमीनी पकड़ कैसी है और जनता के बीच उनकी सक्रियता कितनी है। जिन विधायकों से जनता नाराज है, उनकी जगह नए और जिताऊ चेहरों की तलाश तेज कर दी गई है।

पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया, 'हाईकमान ने पूरे सर्वे की जिम्मेदारी दो बाहरी एजेंसियों को दी है जिनकी टीमें पिछले कई दिनों से शहरी और ग्रामीण इलाकों में घूमकर लोगों से सीधा संवाद कर रही हैं। विधायकों के काम, व्यवहार और

क्षेत्र में मौजूदगी पर जनता की राय ली जा रही है। इसके अलावा संभावित नए दावेदारों की लोकप्रियता और जातीय-सामाजिक प्रभाव का भी आकलन किया जा रहा है। भाजपा यह तय करना चाहती है कि 2027 में किस चेहरे पर दांव लगाने से जीत की गारंटी मिलेगी।'

फास्ट न्यूज

गाजीपुर में नहर में नहाने गए दो सगे भाइयों की डूबने से मौत

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के शादियाबाद थाना क्षेत्र में गुरुवार की दोपहर नहर में नहाने गए दो सगे भाइयों के डूबने से मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार कनुआन गांव निवासी किशन कनौजिया (14) एवं शिवराज कनौजिया (13) पुत्र जगत राम कनौजिया गुरुवार दोपहर अपने छोटे भाई अनंत कनौजिया (9) के साथ गुरैनी नहर में नहाने गए थे। नहाने के दौरान अचानक किशन और शिवराज गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

गाजीपुर में सड़क हादसे में चाचा भतीजा की मौत

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के सादात थाना क्षेत्र में गुरुवार को डंपर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार चाचा-भतीजे की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि सादात-बहरियाबाद मार्ग पर टांड़ा चट्टी के पास बहरियाबाद की ओर से आ रही मोटरसाइकिल को एक डंपर ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में संदीप यादव (23) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल मनोज यादव (38) को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि दोनों मृतक गाजीपुर जिले के बहरियाबाद थाना क्षेत्र के सलेमपुर बधाई गांव के निवासी थे और आपस में चाचा-भतीजे थे।

लेखपाल परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में गुरुवार को 19 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित लेखपाल भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा में पंजीकृत 6720 अभ्यर्थियों में से 5471 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 1249 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए कोई भी नकलची नहीं पकड़ा गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि परीक्षा को नकलविहीन, सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर एवं पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने संयुक्त रूप से विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

कर्मचारियों ने किया सड़क जाम

नेरोलैक में वेतन वृद्धि के लिए प्रदर्शन, ठेकेदारी प्रथा खत्म करने और न्यूनतम वेतन की मांग

आक्रोश

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर नेरोलैक पेंट फैक्ट्री के कर्मचारियों ने गुरुवार को वेतन बढ़ोतरी और श्रमिक हितों की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में महिला और पुरुष कर्मचारी फैक्ट्री गेट के बाहर जमा हो गए। नारेबाजी करते हुए सड़क पर धरने पर बैठ गए। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और भीषण गर्मी में राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मामले की सूचना मिलते ही चौबेपुर थाना प्रभारी दुर्गेश मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। वहीं बिठूर पुलिस ने भी पहुंचकर कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस जाम में फंसे वाहनों को धीरे-धीरे निकलवाने में जुटी रही। यह मामला चौबेपुर थाना क्षेत्र में बिठूर मार्ग स्थित फैक्ट्री का है।

धरने पर बैठे कर्मचारियों ने बताया कि ठेके पर काम करने वाले मजदूरों को न तो ईपीएफ, बोनस और अन्य सुविधाएं मिलती हैं और न ही तय मानक के अनुसार वेतन। कर्मचारियों के अनुसार अकुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन 13,006 रुपये और कुशल कर्मचारियों के लिए 16,025 रुपये निर्धारित है, लेकिन कई मजदूरों को इससे काफी कम भुगतान किया जा रहा है। एसडीएम मनीष कुमार ने बताया कि श्रमिकों से वार्ता की जा रही है। कंपनियों की मनमानी रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अधिकारियों ने कर्मचारियों से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने की अपील की है। दरअसल, दो दिन पहले क्षेत्र की एक मसाला फैक्ट्री के श्रमिकों ने भी वेतन और श्रमिक अधिकारों को लेकर प्रदर्शन किया था।

महंगाई के बीच वेतन बढ़ाने की मांग

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने बताया कि लंबे समय से वेतन वृद्धि की मांग की जा रही है, लेकिन कंपनी और ठेकेदारों की ओर से कोई सुनवाई नहीं हो रही। श्रमिकों ने ठेकेदारी व्यवस्था समाप्त कर सीधे भर्ती किए जाने की मांग उठाई। कर्मचारियों का आरोप है कि ठेकेदार मजदूरों को पूरा वेतन नहीं देते और सरकार की ओर से तय न्यूनतम मजदूरी का भी पालन नहीं किया जा रहा।

यूपी से नाबालिग लड़की को अगवा कर उत्तराखंड लेजाकर गैंगरेप

लड़की को लावारिस छोड़कर फरार

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। यूपी के मेरठ में खरखौदा के एक गांव निवासी किशोरी के साथ कुछ युवकों द्वारा गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि सभी आरोपी नाबालिग छात्रा को हरिद्वार लेकर गए और एक होटल में रखकर गैंगरेप किया और छोड़कर फरार हो गए।

यूपी के मेरठ में खरखौदा के एक गांव निवासी किशोरी के साथ कुछ युवकों द्वारा गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि सभी आरोपी नाबालिग छात्रा को हरिद्वार लेकर गए और एक होटल में रखकर गैंगरेप किया और छोड़कर फरार हो गए। यहां से पानीपत निवासी मुस्लिम परिवार किशोरी को लावारिस पाकर साथ घर ले गया। मंगलवार रात पुलिस ने किशोरी को पानीपत के हरिनगर से बरामद किया तो गैंगरेप का खुलासा हुआ। दर्जनभर लोगों को पुलिस ने बुधवार को उठाया है।

मामले में मिली जानकारी के अनुसार खरखौदा के एक गांव निवासी 17 वर्षीय किशोरी की मां ने 24 अप्रैल को पिटाई की थी। गुस्से में वह घर छोड़कर चली गई थी। रास्ते में उसको लालपुर और सेतुकुआं निवासी छह युवकों ने अगवा कर लिया था। इन्होंने छात्रा के साथ एक मकान में गैंगरेप किया। खरखौदा से पीड़िता को लेकर आरोपी हरिद्वार पहुंच गए और वहां एक होटल में कमरा लिया।

आरोपियों ने हरिद्वार में भी पीड़िता के साथ रेप किया। इसके बाद छात्रा को लावारिस छोड़ दिया। इसी दौरान पानीपत के हरिनगर निवासी एक मुस्लिम परिवार को किशोरी मिल गई थी, जो पीड़िता को अपने साथ ले गया। दूसरी ओर, छात्रा की गुमशुदगी 25 अप्रैल को दर्ज की गई थी, लेकिन थाना पुलिस बरामद नहीं कर पाई।

किशोरी की मां ने एसएसपी मेरठ अविनाश पांडेय से मदद मांगी। जिसके बाद स्वाट टीम ने मंगलवार को किशोरी को पानीपत के हरिनगर से बरामद कर लिया। किशोरी को पनाह देने वाले परिवार को भी हिरासत में लेकर मेरठ लाया गया। एसपी देहात अभिजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने सेतुकुआं, लालपुर से दर्जनभर लोगों को हिरासत में लिया।

- **गैंगरेप करने वाले आरोपियों की तलाश में पुलिस की कई टीम दबिश देती रही।**
- **पुलिस सूत्रों की मानें तो तीन आरोपियों को छात्रा ने पहचान लिया है।**

वीडियो : भाई ने जमीन बेच दी, योगी जी तक बात पहुंचाओ ■ रोते हुए वीडियो बनाकर शेयर किया

मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में एक युवती सुबह होते ही मोबाइल टावर पर चढ़ गई। वहां से उसने रोते हुए वीडियो बनाकर अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर साझा किया। बताया कि परिवार के लोगों ने उसके हिस्से की जमीन बेच दी है। जिसने खरीदा है उसने मुकदमा करवा दिया है। उसकी बात मुख्यमंत्री तक पहुंचा दी जाए।

उसके मोबाइल टावर पर चढ़ने की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग इकट्ठा होने लगे। देखते ही देखते मौके पर लोगों का हुजूम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उससे उतरने की अपील की, लेकिन उसने नहीं सुनी। यह मामला महाराजपुर थाना क्षेत्र के पुरवामीर की है। 23 वर्षीय युवती सुबह 06:30 बजे से टावर पर चढ़ी। काफी मशक्कत के बाद उसे मनाया जा सका। आश्वासन मिलने के बाद वह 3 घंटे बाद 09:30 बजे नीचे उतरी।

- **नन्हकी नाम की युवती ने मोबाइल टावर से ही रोते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इंसाफ की गुहार लगा रही है।**

फतेहपुर की रहने वाली है, वहीं कानपुर में टावर पर चढ़ी

मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती की पहचान फतेहपुर जनपद के मिराई गांव की रहने वाली नन्हकी कुशवाहा के रूप में हुई है। उसने टावर पर चढ़कर जो वीडियो शेयर किया उसमें वह जमीनी विवाद की बात कह रही है। उसका आरोप है कि परिवार के चाचा अवधेश सिंह के लड़के और राकेश सिंह ने उनकी पारिवारिक जमीन बेच दी है। उनका कहना है कि इस जमीन का कोई सरकारी बंटवारा नहीं हुआ था, फिर भी उन्होंने एक हिस्से की जमीन बेच दी। युवती नन्हकी कुशवाहा का आरोप है कि उसके चाचा के बेटे महेंद्र, जयेंद्र, भारत और सोनू ने गांव के ही रहने वाले अवधेश सिंह को जमीन बेच दी थी। अब अवधेश सिंह ने जबरन उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया है। युवती का कहना है कि अभी जमीन का सरकारी बंटवारा नहीं हुआ है, इसके बावजूद अवधेश सिंह ने जबरन जमीन पर कब्जा कर लिया।

नन्हकी के पिता हीरालाल कुशवाहा की वर्ष 2021 में और माता सुदामा देवी की वर्ष 2023 में मृत्यु हो चुकी है। परिवार में सुनीता, विनीता, रानी, नन्हकी और एक भाई रामराज कुशवाहा हैं। सुनीता, विनीता, रानी और रामराज की शादी हो चुकी है, जबकि नन्हकी अविवाहित है और अपने भाई रामराज के साथ गांव में रहती है।

शार्ट-सर्किट से गत्ता फैक्ट्री में लगी आग

गैस सिलेंडरों से हुए धमाकों से विकराल हुई

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर की एक गत्ता फैक्ट्री में गुरुवार तड़के शार्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। कुछ ही देर में लपटों ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में फैक्ट्री से रखे चार गैस सिलेंडर आ गए। इसके बाद एक के बाद एक तेज धमाके होने लगे। धमाके सुन आसपड़ोस के लोग सहम गए। गैस सिलेंडरों के चपेट में आते ही 10-10 फीट ऊंची लपटें उठने लगीं। इलाकाई लोगों ने किदवई नगर पुलिस और फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी। कुछ ही देर में पांच फायर स्टेशनों से करीब 9 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। चार घंटे बाद फायर कर्मियों ने

- **फायर ब्रिगेड की 9 गाड़ियों ने चार घंटे में काबू पाया**

आग पर काबू पाया। घटना साकेत नगर स्थित फैक्ट्री में हुई। साकेत नगर निवासी अजीत अरोड़ा की घर से कुछ दूरी पर पीपीएम हॉस्पिटल के पीछे गत्ता फैक्ट्री है। गुरुवार तड़के करीब 3 बजे फैक्ट्री में शार्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग ने फैक्ट्री में रखे डिब्बों और गैस सिलेंडरों को कुछ ही देर में अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद फैक्ट्री में हुए एक के बाद एक कई धमाकों के बाद आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

रविकिशन ने कहा- यहां रोइंग चलत बा बाबू, सीएम ने कहा- ये यहां आ नहीं रहे थे

करप्शन का चश्मा हटाइए रामगढ़ताल स्पेन दिखेगा

समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामगढ़ताल में आयोजित जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल होने पहुंचे। सीएम ने रोइंग के दो फाइनल इवेंट देखे। इसके बाद विजेताओं को पुरस्कृत किया। वहीं इस दौरान रविकिशन ने विपक्ष के नेताओं को टारगेट करते हुए कहा- "यहां रोइंग चलत बा बाबू"। यह कहते हुए उनकी एक्टिंग पर खूब तालियां बजीं। मुख्यमंत्री के पास बैठे-बैठे भी उन्होंने यह एक्टिंग की। पहले रामगढ़ताल में करप्शन था, लूट थी, डकैत थे। मैं बार-बार इसे स्पेन कहता हूं तो गलत नहीं कहता। अपनी आंख से करप्शन का चश्मा हटाइए तब यह स्पेन दिखेगा।

सीएम ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

66 सीएम ने रविकिशन की चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा- आज रविकिशन नहीं आ रहे थे, लेकिन दुबे जी (कुशीनगर के सांसद विजय दुबे) ने कहा कि उनकी जगह मैं आउंगा। यह यह प्रतियोगिता कुशीनगर में कराना चाहते थे। तब रविकिशन भी आ गए।

सीएम ने रविकिशन की चुटकी ली

रविकिशन की चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा- आज रविकिशन नहीं आ रहे थे, लेकिन दुबे जी (कुशीनगर के सांसद विजय दुबे) ने कहा कि उनकी जगह मैं आउंगा। यह प्रतियोगिता कुशीनगर में कराना चाहते थे।

रामगढ़ताल अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका - सीएम योगी

सीएम ने कहा- यहां वाटर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स भी विकसित हुआ है। रामगढ़ताल अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका है। आने वाले समय में यहां प्रतियोगिताएं होंगी। कामनवेल्थ खेल 2030 में अहमदाबाद में है। रोइंग की महिलाओं के प्रशिक्षण के लिए गोरखपुर के रामगढ़ताल को चुना गया है। यहां अच्छे कोच, मैनेजर और एक्सपर्ट को यहां रखना होगा। जिससे भारत की टीम यहां मेडल ला सके। जिस उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले खेल सुविधाओं का नितांत अभाव था। वहीं आज हर गांव में खेल के मैदान हैं। हर ब्लाक में मिनी स्टेडियम है। हर जनपद में स्टेडियम या तो बन चुके हैं या बन रहे हैं। गांव-गांव में प्रतियोगिताएं हो रही हैं। खेल और खेल की गतिविधियों के लिए लोगों में रुझान पैदा हुआ है।

सीएम ने खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती- सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- मुझे खुशी है कि गोरखपुर की इस ऐतिहासिक रामगढ़ झील में जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। प्रधानमंत्री के एक भारत श्रेष्ठ भारत के विजन को आगे बढ़ाने का काम किया।

हिस्ट्रीशीटर की 5 गोली मारकर हत्या

फोन करके बुलाया, बातचीत की, दौड़ाकर बरसाई गोलियां

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में गुरुवार सुबह 5 बजे हिस्ट्रीशीटर सक्षम पंडा (35) की हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने उसे फोन कर घर से 100 मीटर दूर बुलाया और उससे बातचीत की। इसके बाद हिस्ट्रीशीटर घर लौटकर सीढ़ियों पर खड़ा था, तभी स्कूटी से दोनों हमलावर वहां पहुंच गए। पीछे बैठे हमलावर ने तमंचा निकाला और हिस्ट्रीशीटर को एक गोली मार दी। गोली लगते ही वह गली में भागा, लेकिन आरोपियों ने उसका पीछा किया। 50 मीटर दूर जाकर उसे दूसरी गोली मारी। हिस्ट्रीशीटर गिर पड़ा, फिर उस पर ताबड़तोड़ तीन और गोलियां चलाई गईं। गोलियों की आवाज सुनकर घरवाले दौड़कर पहुंचे। उन्हें देखकर हमलावर फरार हो गए। घरवाले हिस्ट्रीशीटर को अस्पताल ले गए, जहां उसने दम तोड़ दिया। घटना प्रयागराज शहर के मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र की है। घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने एक आरोपी भोले पंजाबी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि बुधवार को सक्षम ने संगम क्षेत्र में उसकी पूजा-पाठ की गुमटी में आग लगा दी थी। इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसलिए गुरुवार सुबह उसने सक्षम को बातचीत के लिए बुलाया। बातचीत के दौरान कहासुनी हो गई और इसी दौरान उसने गोली मार दी।

सक्षम पंडा, मृतक

फास्ट न्यूज

भीषण गर्मी में चलती रोडवेज बस का ड्राइवर बेहोश

कानपुर। कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। भीषण गर्मी के बीच चलती रोडवेज बस का ड्राइवर अचानक बेहोश हो गया। चालक के नियंत्रण खोते ही बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने नाले पर चढ़ गई और सामने से आ रहे ई-रिक्शा लोडर को टक्कर मारते हुए होटल के सामने जाकर रुक गई।

यूपी में पंचायत चुनाव के लिए ओबीसी आयोग बना

उत्तर प्रदेश। यूपी सरकार ने पंचायत चुनाव के लिए राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग (ओबीसी आयोग) का गठन कर दिया है। आयोग का कार्यकाल 6 महीने का होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज राम औतार सिंह को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। साथ ही आयोग में 2 रिटायर्ड अपर जिला जज (बृजेश कुमार, संतोष विश्वकर्मा) और 2 रिटायर्ड IAS (डॉ. अरविंद चौरसिया और एसपी सिंह) को शामिल किया गया है। आयोग की रिपोर्ट नवंबर 2026 तक आ सकती है। इसके बाद आरक्षण तय होगा। साफ हो गया है।

खाई में गिरी कार, 5 की मौत

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल में एक कार करीब 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार नीचे गिरते समय एक पेड़ से टकराकर अटक गई। गहरी खाई होने की वजह से रेस्क्यू टीम को रस्सियों के सहारे नीचे उतरना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भवाली प्राथमिक अस्पताल भेजा गया।

खाद वितरण में टैगिंग एवं अनियमितता किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी : डीएम

अनुदानित उर्वरक के साथ गैर अनुदानित उत्पाद खरीदने का दबाव बनाने पर होगी कठोर कार्यवाही'

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। बीते दिनों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के लोकसभागार में खाद वितरण व्यवस्था के संबंध में जनपद के थोक उर्वरक विक्रेताओं, कृषि विभाग एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने किसानों को समय से एवं निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी थोक विक्रेता फुटकर विक्रेताओं को अनुदानित उर्वरक के साथ जिंक, सल्फर, पोटाश अथवा अन्य गैर अनुदानित उत्पाद खरीदने के लिए बाध्य नहीं करेगा। यदि ऐसी शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध कठोर विधिक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा अनुदानित उर्वरकों के साथ गैर अनुदानित उत्पादों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है, जिसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी दुकानों पर संबंधित क्षेत्र के एसडीएम, सीओ एवं विभागीय अधिकारियों के मोबाइल नंबर अंकित किए जाएं। निरीक्षण के दौरान किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के साथ-साथ पूर्व में निरीक्षण करने वाले अधिकारी का भी उत्तरदायित्व निर्धारित किया।

हर 15 दिन में होगी रेंडम जांच, किसानों से लिया जाएगा फीडबैक

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक 15 दिन में उर्वरक बिक्री केंद्रों की रेंडम जांच कराई जाएगी तथा निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद किसानों से फीडबैक भी लिया जाएगा। सहकारिता विभाग के अधिकारियों को सहकारी समितियों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विकास खण्डों में समान रूप से खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए तथा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरक बिक्री किसी भी दशा में न की जाए। सभी विक्रेता अपने प्रतिष्ठानों पर स्टॉक एवं रेट बोर्ड प्रदर्शित करें तथा बिक्री पंजिका, स्टॉक रजिस्टर एवं अन्य अभिलेख अद्यतन रखें।

फीस का दबाव बनाकर छात्रा को सुसाइड को उकसाया, 22 घंटों से धरने पर बैठे स्टूडेंट्स

आईआईएमटी यूनिवर्सिटी मेरठ के खिलाफ केस दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ की IIMT यूनिवर्सिटी के खिलाफ देर रात मुकदमा दर्ज कर लिया गया। MBA छात्रा अनु की सुसाइड के बाद उसके पिता ओमकार गोयल ने पुलिस को तहरीर दी। उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर बेटी को प्रताड़ित करने और मानसिक दबाव बनाकर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। इसी आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, छात्रा की मौत के बाद पिछले 22 घंटों से यूनिवर्सिटी गेट पर छात्रों का धरना जारी है। प्रदर्शन में IIMT के छात्रों के साथ बाहरी छात्र भी शामिल हैं। CCSU के छात्र नेता शान मोहम्मद और मेरठ कॉलेज के छात्र नेता विजित तालियान भी धरने में मौजूद हैं। छात्रों का कहना है कि जब तक मेरी मांगी नहीं मानी जाती है, तब हम नहीं हटेंगे। दरअसल, बुधवार सुबह यूनिवर्सिटी के हॉस्टल की तीसरी मंजिल से गिरकर छात्रा की मौत हो गई थी। सहारनपुर निवासी छात्रा MBA फाइनल ईयर की स्टूडेंट थी। छात्रा की मौत के बाद यूनिवर्सिटी के छात्र बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए।

अनु गुप्ता, मृतक

छात्रों ने आरोप लगाया कि यूनिवर्सिटी प्रशासन छात्र-छात्राओं के साथ बेहद खराब व्यवहार करता है और उनके साथ भेदभाव किया जाता था। इसी मानसिक तनाव के कारण कई स्टूडेंट्स आत्महत्या जैसे गलत कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं।

छात्रा का शव फर्श पर खून से लथपथ पड़ा हुआ मिला। उसके सिर से काफी खून बह रहा था।

छात्रा की मौत के बाद से यूनिवर्सिटी स्टूडेंट हंगामा करने लगे थे।

बारात में कहासुनी के बाद दो पक्षों में पथराव, पुलिस ने संभाला मोर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में बुधवार को एक बारात के दौरान हुई कहासुनी ने विवाद का रूप ले लिया। जानकारी के अनुसार बारात के दौरान कुछ लोगों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद पास स्थित एक दुकान संचालक से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दुकान में तोड़फोड़ की घटना हुई और बाद में दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव भी हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक न्यूनतम बल प्रयोग करते हुए स्थिति को नियंत्रित कर शांति व्यवस्था स्थापित की। पुलिस की तत्परता से शादी समारोह को सकुशल संपन्न कराया गया। घटनाक्रम में दुकानदार पक्ष की एक 70 वर्षीय वृद्ध महिला घायल हो गईं, जिन्हें उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है तथा चिकित्सकीय निगरानी में उनका उपचार जारी है। पुलिस प्रशासन ने बताया कि दोनों पक्षों से प्राप्त तहरीरों के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। साथ ही पथराव में शामिल लोगों के खिलाफ भी अलग से कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मौके से कई सीसीटीवी फुटेज एवं मोबाइल फोन से बनाए गए वीडियो पुलिस को प्राप्त हुए हैं, जिन्हें साक्ष्य के रूप में एकत्र कर विवेचना में शामिल किया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए तीनों विवेचनाएं क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई हैं। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। वहीं पथराव और तोड़फोड़ में शामिल लोगों के खिलाफ अलग से कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। मौके से मिले सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल फोन से बनाए गए वीडियो को पुलिस ने साक्ष्य के रूप में कब्जे में लिया है।

वेतन व आशा मानदेय भुगतान को प्राथमिकता, आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं की गहन समीक्षा की

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) की बैठक में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने चिकित्सकों के वेतन एवं आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय भुगतान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इसका भुगतान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों और आमजन को समय पर उपचार मिल सके। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि बजट प्राप्त हो गया है तथा एक सप्ताह के भीतर चिकित्सकों का वेतन एवं आशाओं का मानदेय उपलब्ध करा दिया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी सब सेंटरों पर स्वास्थ्य कार्मिक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा उनकी उपस्थिति का नियमित सत्यापन भी कराया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड निर्माण में सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए शेष पात्र लाभार्थियों एवं उनके पारिवारिक सदस्यों के कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें, जिससे जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क उपचार का लाभ मिल सके। टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने टीबी मरीजों को गोद लेने हेतु अधिकाधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से ही टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाया जा सकता है तथा "निक्षय मित्र" अभियान से अधिकाधिक लोगों को जोड़ा जाए। जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित 108 एवं 102 एम्बुलेंस सेवाओं की संख्या, उनके रिस्पॉन्स टाइम एवं संचालन व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि एम्बुलेंस हॉटस्पॉट स्थलों पर उपलब्ध रहें तथा आकस्मिक परिस्थितियों में तत्काल मौके पर पहुंचकर मरीजों को त्वरित सहायता प्रदान करें, ताकि आपातकालीन स्थिति में लोगों को समय पर उपचार मिल सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य केंद्रों पर एक्स-रे सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद एक्स-रे न किए जाने संबंधी शिकायतें प्राप्त नहीं होनी चाहिए। जिन स्वास्थ्य केंद्रों में एक्स-रे मशीन उपलब्ध है वहां मरीजों का एक्स-रे अनिवार्य रूप से किया जाए, जिससे मरीजों को अनावश्यक रूप से बाहर न जाना पड़े। 'अस्पतालों में स्वच्छ वातावरण एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर डीएम ने दिया विशेष जोर' स्वास्थ्य केंद्रों की साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि तैनात सभी सफाई कर्मी नियमित रूप से उपस्थित रहकर साफ-सफाई सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक माह की 10 तारीख से पूर्व सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित करें। समीक्षा के दौरान विकास खंड हैदरगढ़ एवं सिद्धौर में निर्धारित अवधि में बैठक आयोजित न होने पर संबंधित अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

पृष्ठ 01 का शेष...

निकाह का दबाव ...

पीड़िता ने बताया कि एक दिन आरोपी ने उन्हें, उनके पति और सास को एक कमरे में बुलाया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। कमरे में पहले से ही एक मौलवी और कुछ अन्य लोग निकाह की तैयारी के साथ मौजूद थे। वहां पीड़ित परिवार को जबरन मांस खिलाने की कोशिश की गई और कहा गया कि "मांस खिला दो और निकाह करा दो।"

कमरे के भीतर मचे शोर को सुनकर पीड़िता के परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और दरवाजा पीटना शुरू किया, जिसके बाद आसपास के लोग भी इकट्ठा हो गए।

भीड़ बढ़ती देख आरोपियों ने दरवाजा खोला और पीड़ित परिवार किसी तरह वहां से निकल पाया। स्थानीय पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज न किए जाने से असंतुष्ट पीड़िता ने अब मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच और एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हीटवेव: यूपी में पारा ...

जो अधिकारी-कर्मचारी अवकाश पर हैं, उन्हें वापस बुलाया गया है।

बलरामपुर में भीषण गर्मी के कारण कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में पढ़ाई के दौरान 8 छात्राएं बेहोश हो गईं। सभी को उल्टी, सिरदर्द और बेहोशी जैसी शिकायतें थीं। फिलहाल उनका इलाज जारी है। बलिया सदर तहसील परिसर में एक महिला भीषण गर्मी के कारण बेहोश हो गई। तहसीलदार ने तुरंत उन्हें अपनी गाड़ी से अस्पताल भिजवाया।

मौसम विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के 59 जिलों में हीटवेव (लू) का अलर्ट जारी किया है। इनमें 23 जिलों में रेड अलर्ट है। यानी यहां गर्म हवाओं की वजह से हालात गंभीर हो सकते हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अस्पतालों को पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। लोगों से अपील की है कि जरूरी हो, तभी घर से निकलें।

बदायूं में ट्रांसफार्मर को कूलर लगाकर ठंडा किया जा रहा है। वाराणसी में घाटों पर सन्नाटा पसरा है। गर्मी का असर जानवरों पर भी दिख रहा है। इटावा सफारी में शेरों के बाड़ों में कहीं एसी तो कहीं कूलर लगाए गए हैं। फतेहपुर में घर की पानी की टंकी में बंदर नहाते हुए दिखाई दिए।

मौसम विभाग का कहना है कि पाकिस्तान के बलूचिस्तान और थार मरुस्थल से आ रही सूखी और गर्म हवाएं सीधे उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में पहुंच रही हैं। इससे मई में ही जून जैसी तपिश भरी गर्मी महसूस हो रही है।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- अगले एक सप्ताह तक प्रदेशभर में लू चलने की संभावना है। पश्चिमी यूपी में रातें भी गर्म होंगी। आने वाले दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। दोपहर में बहुत जरूरी काम होने पर ही घर से निकलें।

कॉकरोच जनता पाटी...

X के मुताबिक उसने भारत में स्थानीय नियमों, कोर्ट के आदेश या कानूनी शिकायत के आधार पर कार्रवाई की है।

15 मई को CJI सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कुछ बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की थी। इसके एक दिन बाद CJP पार्टी बनाई गई थी छह दिन पहले बनी कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के इंस्टाग्राम पर गुरुवार शाम 5 बजे तक 1.5 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए हैं। यह देश की किसी भी पॉलिटिकल पार्टी से ज्यादा है। इंस्टाग्राम पर कांग्रेस के 1.33 करोड़, भाजपा के 87 लाख, AAP के 19 लाख और CPI(M) के 2.35 लाख फॉलोअर्स हैं।

CJI सूर्यकांत के कॉकरोच वाले बयान के विरोध में बनी इस पार्टी के X पर भी 1.93 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हो चुके थे। हालांकि, X अकाउंट गुरुवार करीब 12 बजे ब्लॉक हो गया।

CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि जैसी आशंका थी, वैसा ही हुआ। CJP का X अकाउंट भारत में बैन कर दिया गया है। X के मुताबिक उसने भारत में स्थानीय नियमों, कोर्ट के आदेश या कानूनी शिकायत के आधार पर कार्रवाई की है।

15 मई को CJI सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कुछ बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की थी। इसके एक दिन बाद CJP पार्टी बनाई गई थी।

पांच महीने पहले रद्द ...

इससे चुनाव की वैधता प्रभावित होती है। इसी आधार पर कोर्ट ने प्रदीप कुमार शुक्ला का निर्वाचन रद्द कर दिया था। साथ ही ललित तिवारी को वार्ड-73 से निर्वाचित घोषित कर दिया था।

शपथ दिलाने में करते ...

उन्होंने धारा 85 के तहत शपथ दिलाने की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश भी दिए थे। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार ने भी 4 फरवरी 2026 को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए थे।

12 मई को एक बार फिर हाईकोर्ट ने ललित तिवारी को एक सप्ताह में शपथ दिलाने का आदेश दिया था। इस पर भाजपा के प्रदीप कुमार शुक्ला की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल कर आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसे कोर्ट ने रद्द किया था। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट ने लखनऊ मेयर, जिलाधिकारी और नगर आयुक्त को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होकर जवाब देने के आदेश दिए थे।

मदरसों में नहीं गाएंगे ...

यह आदेश राज्य सरकार के अल्पसंख्यक मामले और मदरसा शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित होने वाले संस्थानों पर लागू होता है।

इससे पहले, पिछले हफ्ते बंगाल की शुभेंदु सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग के तहत आने वाले सभी स्कूलों को सभी प्रकार की सुबह की सभाओं के दौरान 'वंदे मातरम' के सभी छह छंदों का गायन अनिवार्य कर दिया है। छात्रों को निर्देश दिया गया था कि वे रोजाना की कक्षाएं शुरू होने से पहले इस राष्ट्रीय गीत का गायन करें।" मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पहले एक पोस्ट में कहा था, "पिछले निर्देश को रद्द करते हुए, पश्चिम बंगाल सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग के तहत आने वाले सभी स्कूलों के लिए यह तत्काल प्रभाव से अनिवार्य कर दिया है कि वे कक्षाएं शुरू होने से पहले स्कूल की सभा या सुबह की प्रार्थना के दौरान भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का गायन करें।"

वहीं, इस मामले में कोलकाता खिलाफत कमेटी के प्रमुख मोहम्मद अशरफ अली कासमी ने कहा, "मैंने पहले भी कहा था कि सरकार को किसी भी धर्म के आधार पर काम नहीं करना चाहिए। उसका काम नागरिकों का विकास सुनिश्चित करना और हमें रोजगार देना है। हम यह नहीं कहते कि 'वंदे मातरम' नहीं गाया जाना चाहिए, लेकिन इसे मुसलमानों पर थोपना गलत है, क्योंकि इस गीत की कुछ पंक्तियां हमारे धर्म के खिलाफ हैं... हम पश्चिम बंगाल सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह इस फैसले को वापस ले। हम बहुत साफ तौर पर कहते हैं कि हम इसी देश में रहते हैं और हम इससे प्यार करते हैं, लेकिन हम इस देश की पूजा नहीं करते। मुसलमान सिर्फ एक और एकमात्र अल्लाह की इबादत करते हैं।"

पत्नी के आधार पर मिला यूके पासपोर्ट, आईपीएल से मंजूरी मिलने पर ऑक्शन में करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद आमिर ब्रिटिश नागरिक बने

आमिर ने PSL 2026 में रावलपिंडी की ओर से खेला।

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिल गई है। उनकी पत्नी नरजिस खान ब्रिटिश नागरिक हैं और इसी आधार पर उन्होंने कुछ साल पहले नागरिकता के लिए आवेदन किया था। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें UK पासपोर्ट जारी कर दिया गया।

हालांकि, वह IPL में खेल पाएंगे या नहीं, इसे लेकर संशय है। IPL नियमों के तहत मंजूरी मिलने पर वह ब्रिटिश नागरिकता के आधार पर विदेशी खिलाड़ी कैटेगरी में ऑक्शन के लिए रजिस्टर कर सकते हैं।

हालांकि, IPL में खेलना इस पर निर्भर करेगा कि कोई फ्रेंचाइजी उन्हें खरीदती है या नहीं। हालांकि, इंग्लैंड में घरेलू खिलाड़ी का दर्जा पाने के नियम अलग हैं। काउंटी क्रिकेट के मुताबिक सिर्फ ब्रिटिश नागरिक होना काफी नहीं है।

खिलाड़ी ने पिछले 12 महीनों में इंग्लैंड के बाहर किसी फुल मेंबर देश के लिए प्रोफेशनल क्रिकेट नहीं खेला होना चाहिए। यहीं आमिर का मामला उलझता नजर आता है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में रावलपिंडी के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर खेला था।ऐसे में सिर्फ UK पासपोर्ट मिलने से उन्हें तुरंत इंग्लैंड में लोकल खिलाड़ी का दर्जा नहीं मिलेगा। वह 2017 चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने वाली पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे। फाइनल में उन्होंने रोहित शर्मा, विराट कोहली और शिखर धवन जैसे भारतीय बल्लेबाजों के विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया था।

2024 में टी-20 वर्ल्ड कप के बाद दूसरी बार संन्यास लिया

आमिर ने 2020 में संन्यास लिया था, फिर 2024 में वापसी की थी। लेकिन 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टीम से ड्रॉप होने पर फिर संन्यास ले लिया। उन्होंने आखिरी टी-20 मैच 2024 वर्ल्ड कप में आयरलैंड के खिलाफ खेला था। आमिर पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट, 61 वनडे और 62 टी-20 मैच खेल चुके हैं। वह 2017 चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने वाली पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे। फाइनल में उन्होंने रोहित शर्मा, विराट कोहली और शिखर धवन जैसे भारतीय बल्लेबाजों के विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया था।

कोलकाता की प्लेऑफ उम्मीदें बरकरार, छठे स्थान पर पहुंची

चेन्नई को आज जीतना जरूरी, राजस्थान, पंजाब और दिल्ली भी रेस में

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 के प्लेऑफ का रोमांच और बढ़ गया है। बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस को हराकर अपनी प्लेऑफ उम्मीदें जिंदा रखीं। टीम के अब 13 मैचों में 13 पॉइंट्स हो गए हैं और वह छठे स्थान पर पहुंच गई है। दूसरी ओर मुंबई इंडियंस को सीजन की 9वीं हार मिली। टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। मुंबई 13 मैचों में 8 पॉइंट्स के साथ नौवें स्थान पर है। अब चौथे स्थान के लिए राजस्थान, पंजाब, चेन्नई, कोलकाता और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला बना हुआ है। चेन्नई आज गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी और टीम को हर हाल में जीत चाहिए। मुंबई पर जीत के बाद कोलकाता प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है। टीम के 13 मैचों में 13 पॉइंट्स

कोलकाता छठे स्थान पर

हैं और दो स्थान ऊपर छठे पायदान पहुंच गई हैं। टीम का आखिरी मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से है। KKR को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए यह मैच जीतना होगा, साथ ही राजस्थान और पंजाब के हारने की भी उम्मीद करनी होगी। चेन्नई 13 मैचों में 12 पॉइंट्स के साथ सातवें स्थान पर आ गई हैं। टीम को कोलकाता की जीत से एक पायदान का नुकसान हुआ है। चेन्नई का मुकाबला आज गुजरात टाइटंस से होगा। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए CSK को यह मैच हर हाल में जीतना होगा। हार के साथ टीम का सफर खत्म हो जाएगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 18 पॉइंट्स और +1.065 नेट रनरेट के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है। टीम पहले ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। अगर नेट रनरेट में बड़ा उलटफेर नहीं हुआ तो RCB का क्वालिफायर-1 खेलना तय है। गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद 16-16 पॉइंट्स के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। गुजरात का आखिरी मुकाबला चेन्नई से है। टीम यहां जीत दर्ज करती है तो 18 पॉइंट्स के साथ क्वालिफायर-1 खेल सकती है। वहीं हैदराबाद का सामना बेंगलुरु से होगा। SRH को टॉप-2 में जगह बनाने के लिए RCB को बड़े अंतर से हराना पड़ सकता है। राजस्थान रॉयल्स 14 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है।

फिल सॉल्ट इस हफ्ते आईपीएल में वापसी करेंगे

आरसीबी के ओपनर को उंगली में चोट लगी थी, इलाज के लिए इंग्लैंड गए थे

बेंगलुरु, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ओपनर फिल सॉल्ट फिंगर इंजरी के बाद इस हफ्ते भारत लौट रहे हैं। 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में उन्हें फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। सॉल्ट के बाएं हाथ की उंगली में इंजरी थी। इसके बाद वह इलाज के लिए अपने देश इंग्लैंड लौट गए थे। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ ओपनिंग की। हालांकि बेथेल का प्रदर्शन खराब रहा। वह 7 पारियों में सिर्फ 96 रन बना सके हैं, जिसमें 27 रन उनकी बेस्ट पारी रही है। इसके बावजूद बेथेल 22 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ RCB के लीग का आखिरी मुकाबला खेल सकते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सॉल्ट ने IPL में फॉर्म में

वापसी की थी। उन्होंने इस सीजन 6 पारियों में 168.33 की स्ट्राइक रेट से 202 रन बनाए थे। पिछले सीजन टीम की खिताबी जीत में उनकी अहम भूमिका थी। उन्होंने 2025 में 175.98 की स्ट्राइकर रेट से 403 रन बनाए थे। रेगुलर कप्तान रजत पाटीदार हैदराबाद के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्हें पिछले हफ्ते कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में हेलमेट पर चोट लगी थी। इसके बाद उन्होंने अगला मुकाबला नहीं खेला था। उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कप्तानी की थी।

फाइनल में जर्मनी के फ्रीबर्ग को 3-0 से हराया, मैनेजर उनाई एमेरी ने पांचवीं बार जीता खिताब

एस्टन विला 30 साल बाद बनी यूरोपा लीग चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के फुटबॉल क्लब एस्टन विला ने इस्तांबुल में खेले गए यूरोपा लीग फाइनल में जर्मनी के एससी फ्रीबर्ग को 3-0 से हराया। इस जीत के साथ क्लब ने ट्रॉफी जीतकर फैंस का 30 साल का इंतजार खत्म किया।

एस्टन विला ने 1996 के बाद पहली बड़ी घरेलू ट्रॉफी और 1982 के बाद पहली बड़ी यूरोपीय ट्रॉफी जीती। टीम की सफलता में मैनेजर उनाई एमेरी की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने रिकॉर्ड पांचवीं बार यूरोपा लीग का खिताब जीता।

एस्टन विला इस्तांबुल में सफेद जर्सी पहनकर उतरी, जैसी उसने

जीत के बाद एस्टन विला के खिलाड़ी टीम के मैनेजर उनाई एमेरी को बधाई देते हुए।

1982 में रॉटरडैम में पहनी थी। 1982 की

66 फ्रीबर्ग पहले गोल से उबर भी नहीं पाया था कि कुछ मिनट बाद एस्टन विला ने दूसरा गोल कर दिया। एमिलियानो बुएंडिया ने डी-एरिया के बाहर से शॉट खेला, जो गोल पोस्ट के कोने में गया।

विजेता टीम के हीरो पीटर विथ और डेनिस मॉर्टिमर भी स्टैंड्स में मौजूद थे।

ब्रिटिश शाही परिवार के प्रिंस विलियम और हॉलीवुड एक्टर टॉम हैंक्स ने भी जीत का जश्न मनाया।

टॉम हैंक्स ने मैच से पहले टीम के लिए खास सपोर्ट मैसेज भेजा था।

इसके बाद विला ने लगातार हमले किए और हाफ-टाइम से पहले पहला गोल दागकर बढ़त बना ली।

टाईलेमैंस और बुएंडिया ने पहले हाफ में दागे दो बैक-टू-बैक गोल

पहले हाफ में दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थीं, तभी एस्टन विला ने फ्रीबर्ग के डिफेंस को भेद दिया। कॉर्नर पर मॉर्गन रोजर्स ने पेनल्टी एरिया में सटीक क्रॉस दिया, जिसे यूरी टाईलेमैंस ने गोल में बदल दिया। यह टाईलेमैंस का पूरे सीजन में दूसरा गोल था। उन्होंने दिसंबर के बाद पहला गोल फाइनल में दागा।

उसी जर्सी में उतरी टीम, प्रिंस विलियम और टॉम हैंक्स ने मनाया जश्न

बर्मिंघम के इस क्लब के लिए यह जीत भावुक और ऐतिहासिक रही। एस्टन विला ने आखिरी बार 1996 में लीग कप जीता था, जब टीम ने बायर्न म्यूनिख को हराया था। फाइनल की शुरुआत से ही एस्टन विला ने खेल पर कंट्रोल बनाए रखा।

शुरुआती मिनटों में मॉर्गन रोजर्स ने फ्रीबर्ग के गोलकीपर नूह अतुबोलू को शानदार शॉट से सतर्क कर दिया था।

एस्टन विला के खिलाड़ी जीत के बाद खुशी मनाते हुए।

दूसरे हाफ में रोजर्स ने किया तीसरा गोल, फ्रीबर्ग को वापसी का मौका नहीं मिला

हाफ-टाइम के बाद एस्टन विला ने फ्रीबर्ग को वापसी का मौका नहीं दिया। मॉर्गन रोजर्स ने 58वें मिनट में टीम के लिए तीसरा और निर्णायक गोल दागा। रोजर्स ने एमिलियानो बुएंडिया के क्रॉस पर स्लाइड करते हुए गेंद को नेट में पहुंचाया। इसके साथ विला की 3-0 की बढ़त पक्की हो गई और मैच फ्रीबर्ग के हाथ से निकल गया।

मनोरंजन

कुछ देर बाद उन्होंने आधिकारिक एक्स अकाउंट से एक-एक कर 4 पोस्ट कीं। पहली पोस्ट में उन्होंने लिखा, "अगर मैं किसी प्रेस वाले को अस्पताल में मेरी पीड़ा का मजा लेते देखूं। उस प्रेस वाले के लिए मैंने खड़ा होकर बात की है, उनका ध्यान रखा है ताकि वो भी अपनी रोजी-रोटी कमा सकें।"चाहते हैं, तो करते रहें।

सलमान खान को पैपराजी ने घेरा

नाराजगी पर चिल्ला-चिल्लाकर बोला- सॉरी भाईजान, फिर एक्टर ने दिए पोज, पहले कहा था- ऐसे सौ जला दूंगा

मुंबई। सलमान खान हिंदुजा अस्पताल पहुंचे थे, जहां से निकलते हुए पैपराजी के शोर से एक्टर भड़क गए। उन्होंने पैपराजी को जमकर खरी-खोटी सुनाई और फिर बाद में सीरीज में पोस्ट शेयर कर सभी को चेतावनी दी थी। हालांकि अब ये विवाद खत्म हो चुका है। हाल ही में सलमान खान, फिल्म राजा शिवाजी की सक्सेस पार्टी में पहुंचे थे, जहां सभी पैपराजी ने उनसे माफी मांगी है। सलमान जैसे ही पार्टी में पहुंचे, वैसे ही सभी पैपराजी ने उन्हें घेर लिया और माफी मांगने लगे।

सभी एक साथ, सॉरी भाईजान, जोर से बोलो सॉरी, कहते दिखे। इसके बाद सलमान ने भी उनकी माफी कबूल कर ली। आखिर में सलमान खान ने लिखा, "साठ साल का हो गया हूं लेकिन लड़ना नहीं भूला, ये याद रख लेना, जेल में डालोगे हाहा हाहा।"

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान की नाराजगी के बाद पैपराजी उनसे माफी मांगते

दिखे हैं। इस दौरान सलमान ने कुछ अपशब्द भी कहे। बता दें कि ये हाल-फिलहाल का इकलौता मामला नहीं है। इससे पहले गोविंदा के बॉडीगार्ड्स की भी पैपराजी से बहस हो चुकी है।

दरअसल, गोविंदा सोमवार को एक इवेंट में पहुंचे थे। वहां से निकलते हुए उन्हें पैपराजी ने घेर लिया। जब उनके गार्ड्स ने निकलने की जगह बनाने के लिए लोगों को पीछे किया, तो पैपराजी ने आरोप लगाया कि उन्हें धक्का दिया गया। विवाद बढ़ने पर गोविंदा को खुद बीच-बचाव करना पड़ा।

■ फिल्म राजा शिवाजी के लीड एक्टर और डायरेक्टर रितेश देशमुख भी सलमान के साथ मौजूद रहे।

क्यों हुआ था विवाद?

सलमान खान मंगलवार को अपनी सिक्योरिटी टीम के साथ हिंदुजा हॉस्पिटल से निकल रहे थे। उन्हें देखते ही पैपराजी ने उनकी अपकमिंग फिल्म मातृभूमि चिल्लाना शुरू कर दिया। सलमान करीब आए और सभी को सुनाने लगे। तीसरी पोस्ट में सलमान लिखते हैं, "ऐसे मैं सौ जला दूंगा। भाई का एक भाई के दुख पर अगली बार कोशिश कर लेना मेरे साथ। बस कोशिश कर लेना, जब भी तुम्हारा कोई अस्पताल में होगा, क्या मैं ऐसा रिएक्ट करूंगा?"

धुरंधर मूवी फेम सिंगर का माथा लहूलुहान

खान साब ने शूटिंग के दौरान सिर में कांच मारा

जालंधर, एजेंसी

धुरंधर-2 के 'जान से गुजरते हैं' सॉन्ग फेम पंजाब के सिंगर खान साब अपने नए गीत पागल नईं होणा की शूटिंग के दौरान घायल हो गए। एक सीन के दौरान उन्होंने अपना सिर कांच में मारा। इससे कांच उनके माथे में चुभ गया और वह लहूलुहान हो गए। उनके माथे पर टांके लगे हैं। क्रू मेंबर ने उनको संभाला और टिशू पेपर से खून को साफ किया। चोट लगने के बाद भी खान साब जोशिले अंदाज में नजर आए। उन्होंने क्रू मेंबर को कहा कि कुछ नहीं हुआ। मुझे छोड़ दें और प्लेबैक दिखाएं। बुधवार (20 मई) को दोपहर बाद पौने 3 बजे खान साब ने शूटिंग के दौरान हुई इस घटना को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। वीडियो में उनके

माथे से खून बहता दिख रहा है। हालांकि ये घटना कहां और किस तारीख को हुई, इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया। सिंगर खान साब ने कहा कि मैं किरदार में पूरी तरह डूब चुका था। यही जुनून और सच्चाई इस गाने को सबसे अलग और खतरनाक बनाती हैं। इस शॉट के लिए मैं अपने परिवार से माफी मांगता हूं। आगे इसका ध्यान रखूंगा। अपने किरदार में बहुत डूब चुका था: सिंगर ने कहा कि मैं अपने किरदार में बहुत डूब चुका था।

झूठे आरोप और जेल की दर्दनाक कहानी पर आधारित है फिल्म

बॉबी देओल की 'बंदर' का ट्रेलर रिलीज

मुबंई, एजेंसी

बॉबी देओल अपने करियर की दूसरी पारी में लगातार अलग और चुनौतीपूर्ण किरदारों से दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं। अब वह निर्देशक Anurag Kashyap की फिल्म Bandar में एक बेहद इंटेंस रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। फिल्म 'बंदर' के ट्रेलर की शुरुआत बॉबी देओल के किरदार से होती है, जो अपने से कम उम्र की लड़कियों को डेट करता दिखाई देता है। कहानी में बड़ा मोड़ तब आता है, जब उसकी मुलाकात एक लड़की से होती है और उसके बाद उसकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि बॉबी का

> "ट्रेलर को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म की कहानी दुष्कर्म के झूठे आरोप और उसके बाद एक व्यक्ति की जिंदगी पर पड़ने वाले असर के इर्द-गिर्द घूमती है। बॉबी देओल का किरदार जेल पहुंच जाता है, जहां उसे कई दर्दनाक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ट्रेलर में उनकी दमदार एक्टिंग और अलग-अलग इमोशनल शेड्स दर्शकों को प्रभावित करते हैं।"

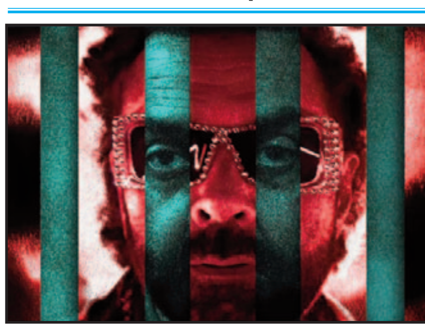

किरदार खुद को बेगुनाह बताता है, लेकिन उसकी बात सुनने वाला कोई नहीं होता। Bandar 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है।

दमदार स्टारकास्ट से सजी है फिल्म

फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है, जबकि इसकी कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है। निर्माता निखिल द्विवेदी हैं। फिल्म में बॉबी देओल के साथ Sanya Malhotra, Saba Azad, सपना पब्बी, इंद्रजीत सुकुमारन, जितेंद्र जोशी, राज बी. शेट्टी और नागेश भोंसले जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

बोल्ड सीन पर आपत्तिजनक कमेंट देख भड़कीं कुनिका

मारो-जला दो, कत्ल करो, अमरीश पुरी के साथ रोमांस करती दिखी थीं

मुबंई, एजेंसी

लगातार राजनैतिनक मुद्दों पर राय रखने वालीं कुनिका सदानंद तब भड़क गईं, जब कुछ लोगों ने उनके पुराने बोल्ड सीन पर उन पर आपत्तिजनक कमेंट करना शुरू कर दिया। बात इतनी बढ़ गई कि कुनिका ने ये तक कह दिया कि भारत में औरतों को जलील करना और मार डालना पाप है। वायरल किए जा रहे वीडियो में कुनिका सदानंद एक फिल्मी सीन में अमरीश पुरी के साथ पूल में रोमांस करती दिखी थीं। इसे शेयर कर एक यूजर ने लिखा, ये कुनिका हैं, जो आदर्श के झंडे उठाती हैं और मोदी जी को हर रोज गालियां

देती हैं। इस ट्वीट के जवाब में कुनिका ने पहले तो सफाई देकर लिखा, 'ये रोल है बेवकूफ। इसे एक्टिंग कहते हैं।' इसके बावजूद भी उस वीडियो पर कई आपत्तिजनक और अभद्र भाषा वाले कमेंट आते रहे। इस पर भड़ककर कुनिका ने लिखा, 'इस देश में औरत होना पाप हो गया है। औरतों को मारो, जला दो, कत्ल कर दो, रेप कर दो, उनको गाली दो, लांछन लगाओ, भ्रूण हत्या करो, तौहीन करो, उनका हक और उनसे मौका छीनों। ये सब जायज है हमारे नए भारत में।' विवाद के बीच कई लोग ऐसे भी रहे जो कुनिका का बचाव करते दिखे। एक महिला ने कुनिका के बचाव में लिखा, 'किसी एक्ट्रेस के पुराने सीन को लेकर उसे सार्वजनिक रूप से सेक्शुअलाइज करना, मजाक उड़ाना और गंदी बातें करना सनातन संस्कृति नहीं, बल्कि साफ तौर पर औरतों के प्रति घटिया सोच और मिसोजिनी है।' 'जो लोग हर समय संस्कार और परंपरा की बातें करते हैं।

'सिर्फ जन्मजात अमेरिकी ही संभालें सत्ता'

अमेरिकी संसद ने प्रस्ताव पेश, जमकर हो रहा विरोध

संशोधन

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में प्राकृतिक रूप से नागरिकता हासिल करने वाले लोगों के अधिकारों को लेकर नई बहस छिड़ गई है। रिपब्लिकन सांसद नैन्सी मेस ने एक संवैधानिक संशोधन प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें प्राकृतिक रूप से अमेरिकी नागरिक बने लोगों को कांग्रेस सदस्य, संघीय न्यायाधीश और सीनेट की पुष्टि वाले महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त होने से रोकने की मांग की गई है। इस प्रस्ताव को लेकर डेमोक्रेटिक नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे नस्लवादी, घृणित और विदेशी मूल के लोगों के खिलाफ बताया है। प्राकृतिक रूप से नागरिकता का मतलब है कि कोई व्यक्ति जन्म से उस देश का नागरिक न हो, लेकिन बाद में कानूनी प्रक्रिया

पूरी करके उस देश की नागरिकता हासिल कर ले। हालांकि, इस प्रस्ताव का असर केवल डेमोक्रेट्स तक सीमित नहीं रहेगा। अमेरिका की कांग्रेस में ऐसे 26 सदस्य हैं जो विदेश में जन्मे हैं, जिनमें कुछ रिपब्लिकन सांसद भी शामिल हैं। वहीं, भारतीय मूल के एक अन्य सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि यह प्रस्ताव नैतिक रूप से गलत है और इसके पीछे छिपी नफरत तथा कट्टरता के खिलाफ सभी को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। डेमोक्रेटिक सांसद सुजैन बोनामिसी ने भी मेस की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस में कई विदेशी मूल के सदस्य हैं, लेकिन मेस ने केवल रंगभेद और प्रगतिशील विचारधारा वाले तीन डेमोक्रेटिक नेताओं को निशाना बनाया। उन्होंने इसे नस्लवादी और घृणित राजनीति करार दिया। इसके अलावा कांग्रेस एशियाई प्रशांत अमेरिकी कॉकस और डेमोक्रेटिक महिला कॉकस ने भी मेस के प्रस्ताव की निंदा की। दोनों संगठनों ने कहा कि यह कदम उन नेताओं को निशाना बनाने की कोशिश है, जो लंबे समय से अपने समुदायों और अमेरिकी लोकतंत्र की सेवा कर रहे हैं।

लोगों की निष्ठा अमेरिका के प्रति होनी चाहिए- मेस

मेस ने अपने बयान में कहा कि अमेरिका के कानून लिखने वाले, न्यायाधीशों की पुष्टि करने वाले और दुनिया के सामने अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने वाले लोगों की निष्ठा सिर्फ अमेरिका के प्रति होनी चाहिए, किसी दूसरे देश के प्रति नहीं। उन्होंने खास तौर पर इल्हान उमर का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ नेताओं की वफादारी अमेरिका से बाहर दिखाई देती है।

मेम ने क्या बताया?

साउथ कैरोलिना की सांसद मेस ने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय से लंबित संवैधानिक संशोधन पेश किया है। उन्होंने तर्क दिया कि अमेरिका के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति बनने के लिए पहले से ही नेचुरल बॉर्न सिटिजन यानी जन्म से अमेरिकी नागरिक होना जरूरी है, इसलिए यही नियम कांग्रेस, संघीय अदालतों और सीनेट से मंजूर होने वाले पदों पर भी लागू होना चाहिए। मेस ने अपने पोस्ट में डेमोक्रेटिक सांसदों इल्हान उमर, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार की तस्वीरें भी साझा कीं। इनमें उमर सोमालियाई मूल की अमेरिकी हैं, जबकि जयपाल और थानेदार भारतीय मूल के नेता हैं।

हो रही कड़ी आलोचना

डेमोक्रेटिक सांसदों ने इस प्रस्ताव की कड़ी आलोचना की। भारतीय मूल की सांसद प्रमिला जयपाल ने इसे संकीर्ण सोच, विदेशी विरोधी मानसिकता और अमेरिका के इतिहास का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक नस्लवाद से प्रेरित है और कांग्रेस में इसकी कोई जगह नहीं होनी चाहिए। भारतीय मूल के सांसद श्री थानेदार ने भी मेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि जो लोग मेहनत करके अमेरिका आए और देश के लिए योगदान दे रहे हैं, उन पर निशाना साधने से पहले अपने व्यवहार को ठीक कीजिए।

सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 75,100 पर कारोबार कर रहा

आईटी और एफएमसीजी शेयर्स में ज्यादा बिकवाली

मुंबई, एजेंसी

BSE Sensex और NIFTY 50 में गुरुवार 21 मई को शुरुआती कारोबार के दौरान हल्की तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 100 अंकों की बढ़त के साथ 75,400 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी भी लगभग 50 अंक मजबूत होकर 23,700 के पार पहुंच गया। हालांकि बाजार में तेजी के बावजूद कुछ सेक्टर्स में दबाव बना हुआ है। खासतौर पर आईटी और FMCG शेयरों में बिकवाली देखने को मिली। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक संकेतों और निवेशकों की सतर्क रणनीति के बीच घरेलू बाजार सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। निवेशकों की नजर अब दिनभर के कारोबार, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और अंतरराष्ट्रीय बाजार के संकेतों पर बनी हुई है।

फास्ट न्यूज

पीएम की अपील के बाद घरेलू पर्यटन में वृद्धि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने की अपील का असर देश के ट्रैवल सेक्टर में दिखाई दे रहा है। कश्मीर, लक्षद्वीप, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, केरल और उत्तर बंगाल जैसे घरेलू पर्यटन स्थलों की मांग तेजी से बढ़ी है, जबकि विदेशी यात्राओं से जुड़ी पूछताछ में गिरावट दर्ज की गई है। इंटरसिटी स्मार्टबस के डेटा के मुताबिक देहरादून, मनाली, गोवा, तिरुपति और उज्जैन जैसे प्रमुख पर्यटन और तीर्थयात्रा मार्गों पर बुकिंग में करीब 30–35% की वृद्धि दर्ज हुई है।

क्रिस्टीज ने एक रात में बेचीं 10642 करोड़ की कलाकृतियां

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के ऑक्शन हाउस 'क्रिस्टीज' ने इतिहास रच दिया। सोमवार शाम महज 40 मिनट की नीलामी में 6095 करोड़ से अधिक की कलाकृतियां बिक गईं। नीलामी घर ने एक ही शाम में 1.1 अरब डॉलर (10,642 करोड़ रुपए) से अधिक की कलाकृतियाँ बेचकर जैक्सन पोलॉक, कॉन्स्टेंटिन ब्रांकुसी और मार्क रोथको की कृतियों के लिए नए रिकॉर्ड स्थापित किए। इस ऐतिहासिक नीलामी में दिवंगत मीडिया दिग्गज एसआई न्यू हाउस के कलेक्शन से जुड़ी 16 दुर्लभ कलाकृतियों को पेश किया गया।

ओला को मार्च तिमाही में 500 करोड़ का घाटा

मुंबई। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुई चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 2025-26 (FY26) के वित्तीय नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी को मार्च तिमाही (जनवरी-मार्च) में 500 करोड़ का घाटा हुआ है। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 870 करोड़ का घाटा हुआ था, यानी सालाना आधार पर कंपनी ने अपने घाटे को 42.5% कम किया है। सालाना आधार पर सुधार के बावजूद पिछली तिमाही के मुकाबले कंपनी की स्थिति कमजोर हुई है।

ट्रंप प्रशासन के सख्त रुख के बीच अमेरिकी नौसेना की बड़ी तैनाती

अमेरिका-क्यूबा तनाव बढ़ा, कैरेबियन में पहुंचा यूएसएस निमित्ज़ स्ट्राइक ग्रुप

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव ने अब सैन्य मोर्चे पर भी हलचल बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज अपने स्ट्राइक ग्रुप के साथ कैरेबियन सागर में पहुंच गया है। यह जानकारी 'द हिल' की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और इस द्वीपीय राष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना है। अमेरिकी नौसेना के इस शक्तिशाली स्ट्राइक ग्रुप में एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान, ईए-18जी ग्रोवलर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान

और सी-2 ग्रेहाउंड सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इसके साथ यूएसएस ग्रिडली विध्वंसक युद्धपोत और USNS पटक्सेंट ईंधन आपूर्ति पोत भी मौजूद हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान (Southcom) ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस निमित्ज ने ताइवान जलडमरूमध्य से लेकर अरब की खाड़ी तक, स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए दुनिया भर में अपनी युद्ध क्षमता साबित की है। 1975 में कमीशन किए गए इस एयरक्राफ्ट कैरियर ने हाल ही में रियो डी जनेरियो के तट पर ब्राजील की नौसेना के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास में भाग लिया था।

मार्को रुबियो का स्पेनिश संदेश

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता के नाम स्पेनिश भाषा में संदेश जारी किया। उन्होंने क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार को बिजली संकट और आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। रुबियो ने अमेरिका की ईंधन नाकेबंदी नीति का भी समर्थन किया। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने हाल ही में क्यूबा अधिकारियों से मुलाकात की थी। उन्होंने साफ कहा कि बातचीत की संभावना हमेशा खुली नहीं रहेगी। इस बयान के बाद कूटनीतिक गलियारों में तनाव और बढ़ गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने हाल के दिनों में क्यूबा के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर 1996 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दो नागरिक विमानों को गिराने से संबंधित हत्या और अन्य अपराधों के औपचारिक आरोप लगाए थे, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी।

ग्रीनलैंड में पहाड़ टूटने से उठी सुनामी तरंगों ने नौ दिन हिलाई थी धरती

ग्रीनलैंड, एजेंसी

लगातार नौ दिनों तक दर्ज वैश्विक भूकंपीय तरंगों का रहस्य वैज्ञानिकों ने सुलझा लिया है। अध्ययन से पता चला है कि ग्रीनलैंड के डिक्सन फियोर्ड में सितंबर 2023 में पहाड़ का बड़ा हिस्सा टूटकर जलक्षेत्र में गिरने से करीब 650 फीट ऊंची अनुमानित मेगा-सुनामी पैदा हुई थी, जिसके असर से दुनिया भर में लगातार 9 दिनों तक भूकंपीय संकेत दर्ज किए गए। वैज्ञानिकों के अनुसार यह घटना जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती भू-वैज्ञानिक अस्थिरता का गंभीर संकेत है। डिक्सन फियोर्ड ग्रीनलैंड के पूर्वी हिस्से में स्थित एक संकरा समुद्री जलमार्ग है, जो ऊंची चट्टानों और ग्लेशियरों से घिरा हुआ है। फियोर्ड दरअसल समुद्र की ऐसी लंबी और संकरी खाड़ी को कहा जाता है, जो हजारों वर्षों पहले

ग्लेशियरों द्वारा चट्टानों को काटकर बनाई गई हो। इसमें समुद्र का पानी भीतर तक घुसा रहता है और दोनों ओर खड़ी पहाड़ियां होती हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि सामान्य भूकंपों में अनियमित और तीव्र भूकंपीय पैटर्न दिखाई देते हैं, जबकि इस घटना में तरंगों का क्रम बेहद नियमित था। शुरुआती दिनों में वैज्ञानिक यह समझ नहीं पाए कि यह संकेत आखिर किस कारण उत्पन्न हो रहा है। हालांकि यह घटना सितंबर 2023 में हुई थी, लेकिन इसकी वास्तविक वजह और पूरी वैज्ञानिक तस्वीर अप्रैल 2026 में सामने आ सकी।

70 से ज्यादा वैज्ञानिकों के समूह ने सुलझाई गुत्थी

साइंस एंड नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित अध्ययनों तथा अर्थ स्नैप की रिपोर्ट के अनुसार इस रहस्यमयी घटना को समझने के लिए दुनिया भर के 41 संस्थानों से जुड़े 70 से अधिक वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट डाटा, भूकंपीय रिकॉर्ड और उन्नत कंप्यूटर मॉडलिंग का उपयोग किया। वैज्ञानिकों के अनुसार सितंबर 2023 में दुनिया भर के भूकंपीय सेंसरों ने एक असामान्य संकेत दर्ज करना शुरू किया। यह संकेत सामान्य भूकंप जैसा नहीं था। हर 92 सेकंड पर एक समान कंपन रिकॉर्ड हो रहा था और यह क्रम लगातार 9 दिनों तक जारी रहा। इसकी तरंगें अलास्का से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक पृथ्वी की चट्टानों में दर्ज की गईं।

परिश्रम ही सफलता की कुंजी : मेलोनी

मोदी ने रोम और काशी को इटरनल सिटी कहा, इटली की पीएम को भारत आने का न्योता

रोम, एजेंसी

पीएम मोदी और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने बुधवार को रोम में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान दौरान मेलोनी ने हिंदी में कहा कि 'परिश्रम ही सफलता की कुंजी है'। पीएम मोदी ने बताया कि रोम को दुनिया में 'इटरनल सिटी' (कभी न खत्म होने वाला शहर) कहा जाता है। भारत में मेरी लोकसभा सीट काशी को भी इसी तरह जाना जाता है। जब दो सभ्यताएं मिलती हैं, तो बातचीत सिर्फ एजेंडे तक सीमित नहीं रहती। पीएम मोदी को रोम स्थित फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द यूनाइटेड नेशंस (FAO) डिपार्टमेंट ने एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किया। यह सम्मान FAO के महानिदेशक क्यू डोंग्यू ने दिया। यह पुरस्कार पीएम मोदी को भारत

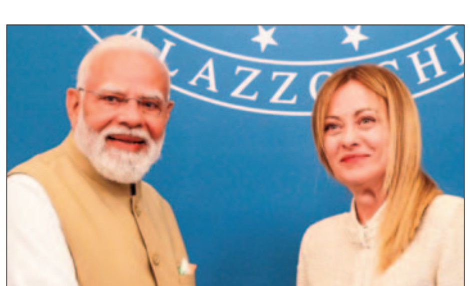

में कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य सुरक्षा मजबूत करने और ग्रामीण विकास के लिए किए गए महत्वपूर्ण कार्यों के लिए दिया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ उनका नहीं, बल्कि भारत के करोड़ों किसानों, पशुपालकों, मछुआरों और कृषि वैज्ञानिकों का सम्मान है। उन्होंने यह मेडल देश के किसानों को समर्पित किया। मोदी ने कहा कि भारत में खेती सिर्फ काम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। यहां धरती को मां और किसान को धरती पुत्र कहा जाता है। मिलोनी ने कहा कि भारत और इटली मिलकर IMEC यानी इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को आगे बढ़ाने पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यह परियोजना भारत, मिडिल-ईस्ट और यूरोप को जोड़ने वाला बड़ा आर्थिक कॉरिडोर है। इस परियोजना की शुरुआत 2023 में हुई थी। इसके लिए भारत, यूरोपीय संघ, अमेरिका, सऊदी अरब, UAE, फ्रांस, जर्मनी और इटली समेत कई देशों ने एक समझौता साइन किया था।

> मेलोनी ने कहा कि भारत में एक शब्द बहुत खास है 'परिश्रम', जिसका मतलब है मेहनत, लगातार प्रयास और समर्पण। यह शब्द भारत में अक्सर इस्तेमाल किया जाता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी के भाषण की 5 बड़ी बातें

- भारत और इटली के रिश्ते अब और मजबूत होंगे। दोनों देशों ने अपने संबंधों को 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का दर्जा देने का फैसला किया है।
- इटली डिजाइन और तकनीक के लिए मशहूर है, जबकि भारत अपनी प्रतिभा और सस्ते इनोवेशन के लिए जाना जाता है। दोनों देश मिलकर दुनिया के लिए काम करेंगे।
- भारत और इटली के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और इसे 20 अरब यूरो (2.24 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंचाने का टारगेट रखा है। भारत में 400 से ज्यादा इतालवी कंपनियां काम कर रही हैं।
- तकनीक और इनोवेशन भारत-इटली साझेदारी की सबसे बड़ी ताकत हैं। दोनों देश AI, क्वांटम टेक्नोलॉजी, सिविल न्यूक्लियर एनर्जी और स्पेस जैसे क्षेत्रों में साथ काम करेंगे।
- भारत और इटली दोनों मानते हैं कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए गंभीर खतरा है। आतंक की फंडिंग रोकने के लिए दोनों देशों की साझा पहल दुनिया के सामने एक मजबूत उदाहरण है।

भारत का टॉफी एक्सपोर्ट 12 साल में 166% बढ़ा

वित्त वर्ष 2025-26 में ₹132 करोड़ पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत से टॉफी का एक्सपोर्ट पिछले 12 वर्षों में 166% बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 (FY26) में 132 करोड़ पर पहुंच गया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज यानी 20 मई को सोशल मीडिया पर यह जानकारी शेयर की है। वित्त वर्ष 2013-14 में देश से टॉफी का कुल एक्सपोर्ट 49.68 करोड़ का था। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा ₹भारत की 'टॉफी टेल' (टॉफी की कहानी) निश्चित रूप से कानों को सुरीली लगेगी! 2013-14 के बाद से टॉफी एक्सपोर्ट में करीब 166% की ग्रोथ दर्ज की गई है। दरअसल, वाणिज्य मंत्री ने यह डेटा तब जारी किया, जब इटली की

प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने पीएम नरेंद्र मोदी को 'मेलोडी' टॉफी गिफ्ट करने के लिए सोशल मीडिया पर थैंक्यू कहा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह प्रभाव स्विगी पर ज्यादा देखने को मिल सकता है, क्योंकि स्विगी अभी भी अपने क्विक कॉमर्स बिजनेस को ब्रेक-ईवन (मुनाफे की स्थिति) में लाने के लिए संघर्ष कर रही है। दूसरी तरफ, इटर्नल (जोमैटो) का स्केल काफी बड़ा है और उसके पास विज्ञापनों से होने वाली कमाई का एक मजबूत बेस है।

सोना ₹392 बढ़कर ₹1.59 लाख पर पहुंचा

इस साल ₹26 हजार महंगा हो चुका, चांदी ₹1494 गिरकर ₹2.66 लाख किलो पर आई

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने के दाम में आज यानी 21 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 392 रुपए बढ़कर 1.59 लाख रुपए हो गया है। वहीं चांदी में आज गिरावट है। 1 किलो चांदी की कीमत 1,494 रुपए कम होकर 2.66 लाख रुपए पर आ गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26 हजार रुपए और चांदी 37 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.59 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.67 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, डॉलर की चाल और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती मांग का असर भारतीय सर्राफा बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। लगातार बढ़ती कीमतों के कारण निवेशकों और आम खरीदारों की नजर अब सोने-चांदी के बाजार पर बनी हुई है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

तेजी : पेट्रोल-डीजल महंगा होने से डिलीवरी चार्ज बढ़ाएंगी कंपनियां, मार्जिन 10-12% तक घटा

ऑनलाइन फूड और क्विक कॉमर्स डिलीवरी महंगी हो सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म (जैसे ब्लिंकिट, जेप्टो) से सामान मंगाना महंगा हो सकता है। अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण देश में पेट्रोल और डीजल के दामों में करीब 4 प्रति लीटर यानी 4% तक की बढ़ोतरी हुई है। इससे स्विगी और इटर्नल (जोमैटो की पैरेंट कंपनी) जैसी कंपनियों पर डिलीवरी कॉस्ट का दबाव बढ़ गया है। इलारा कैपिटल की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्यूल की कीमतें बढ़ने से कंपनियों के मार्जिन पर सीधा असर पड़ रहा है। इस अतिरिक्त खर्च का बोझ कंपनियां ग्राहकों पर डाल सकती हैं।

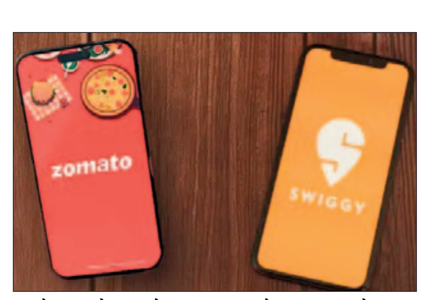

इसके चलते आपके हर ऑर्डर के लिए लगने वाला डिलीवरी चार्ज या अन्य फीस बढ़ाई जा सकती है। 2023-2026 के बीच जोमैटो, स्विगी पर प्लेटफॉर्म फीस 9 गुना हो गई। जोमैटो ने 20 मार्च को ही अपनी प्लेटफॉर्म फीस 19% यानी 2.40 बढ़ाकर 14.90 (बिना GST) कर दी थी। वहीं, स्विगी ने 24 मार्च से हर ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म फीस में 17% की बढ़ोतरी की थी। यूजर्स हर ऑर्डर पर 14 रुपए के बजाय अब 17.58 (GST सहित) यानी 3.58 ज्यादा प्लेटफॉर्म फीस दे रहे हैं।

गिग वर्कर्स बढ़ा सकते हैं भुगतान की मांग

ईंधन की कीमतें बढ़ने का सीधा असर उन डिलीवरी पार्टनर्स (गिग वर्कर्स) पर पड़ता है जो अपनी बाइक से खाना या राशन डिलीवर करते हैं। पेट्रोल महंगा होने से उनकी दैनिक बचत कम हो जाती है। ऐसे में डिलीवरी पार्टनर्स कंपनियों से प्रति ऑर्डर मिलने वाले पेआउट (भुगतान) को बढ़ाने की मांग कर सकते हैं। अगर कंपनियां पेआउट नहीं बढ़ाती हैं, तो डिलीवरी पार्टनर्स के बीच असंतोष बढ़ सकता है और सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में इटर्नल 2.7 अरब (270 करोड़) और स्विगी 1.4 अरब (140 करोड़) ऑर्डर्स को हैंडल कर सकती हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676